दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

अनमोल होता है अपनो का साथ ....

क्या बदलते मौसम में आप हो जाते हैं बीमार......

वर्ष : 10 | अंक : 337 | लखनऊ, 20 नवम्बर, बुधवार 2024 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

लखनऊ में खुलेगी देश की पहली नाइट सफारी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को ऐलान किया है कि दिसंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश देश को पहली नाइट सफारी का उपहार देगा। राजधानी लखनऊ में बनने जा रही यह नाइट सफारी देश और दुनिया के प्रकृति प्रेमियों के लिए एक नया गंतव्य होगा। यह दुनिया की पांचवीं नाइट सफारी होगी। मुख्यमंत्री के समक्ष मंगलवार को उनके सरकारी आवास पर उच्चस्तरीय बैठक में प्रस्तावित कुकरैल नाइट सफारी पार्क एवं जू का प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य हर हाल में जून 2026 तक पूरा कर लिया जाए। नाइट सफारी व जू के लिए वन्य जीवों के लाने की समुचित व्यवस्था प्रारंभ कर दी जाए। नाइट सफारी व जू की इकोनामी के लिए सस्टेनेबल मॉडल विकसित किया जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 72 फीसदी एरिया में ग्रीनरी विकसित की जाए और यहां सौर ऊर्जा को प्रकल्पों को भी स्थान दिया जाए।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है नाइट सफारी

सीएम योगी ने कहा कि नाइट सफारी प्रोजेक्ट राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसके निर्माण के लिए केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली से अनुमति प्राप्त हो गई है। जनसंख्या की दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में दिसंबर 2026 में देश को पहली नाइट सफारी का उपहार मिलेगा। नाइट व डे सफारी का निर्माण चरणबद्ध रूप से होगा। लखनऊ में यह लगभग 900 एकड़ से अधिक में फैली होगी।

जानवरों को चिह्नित करने, यहां लाने व क्वारंटीन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाए– योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जानवरों को चिह्नित करने, यहां लाने व क्वारंटीन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाए। कुकरैल नाइट सफारी परियोजना के अंतर्गत ईको टूरिज्म जोन भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के प्रकल्पों को स्थान दिया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि यहां क्वारंटीन सेंटर, वेटनरी हॉस्पिटल, पोस्ट ऑपरेशन व ऑपरेशन थियेटर की भी समुचित व्यवस्था हो। यहां कैफेटेरिया, 7 डी थियेटर, ऑडिटोरियम, पार्किंग आदि की भी सुविधा हो।

उन्होंने कहा कि एडवेंचर जोन के तहत सुपरमैन जिपलाइन, आर्चरी, जिप लाइन, बुरमा ब्रिज, पैडल बोट, स्काई रोलर, फाउंटेन, किड्स एक्टिविटी के लिए जंगल एनिमल थीम, स्काई साइकिल आदि विकसित किया जाए। डे सफारी का विस्तार दूसरे चरण में होगा। बैठक में प्रदेश सरकार के वन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, शासन व वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

नाइट–डे सफारी की होगी यह विशेषता

1. नाइट सफारी क्षेत्र में इंडियन वॉकिंग ट्रे, इंडियन फुटहिल, इंडियन वेटलैंड, एरिड इंडिया व अफ्रीकन वेटलैंट की थीम पर विकसित किए जाने वाले क्षेत्र मुख्य आकर्षण होंगे।
2. पर्यटकों द्वारा नाइट सफारी पार्क के अवलोकन हेतु 5.5 किमी. ट्रामवे तथा 1.92 किमी. का पाथवे माध्यम से किया जाएगा।
3. नाइट सफारी में मुख्यतः एशियाटिक लॉयन, घड़ियाल, बंगाल टाइगर, उड़न गिलहरी, तेंदुआ, हॉयना आदि मुख्य आकर्षण होंगे।
4. कुकरैल नााइट सफारी परियोजना के अंतर्गत विश्व स्तरीय वन्य जीव चिकित्सालय व रेस्क्यू सेंटर का निर्माण भी प्रस्तावित है।
5. कुकरैल वन क्षेत्र में स्थापित होने वाले जू में कुल 63 इनक्लोजर बनाए जाएंगे।
6. जू में सारस क्रेन, स्वांप डियर, हिमालयन भालू, साउथ अफ्रीकन जिराफ, अफ्रीकन लॉयन व चिंपाजी मुख्य आकर्षण होंगे।
7. जू को अफ्रीकन सवाना, इनक्रेडिबल इंडिया, इंजीनियर्ड वेटलैंड नामक थीम क्षेत्रों पर विकसित किया जाएगा।

अब श्रीभूमि के नाम से जाना जाएगा असम का करीमगंज जिला : हिमंत बिस्वा सरमा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को घोषणा की कि राज्य कैबिनेट ने करीमगंज जिले का नाम बदलकर 'श्रीभूमि' करने का फैसला किया है। हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा कि 100 से अधिक साल पहले, कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर ने असम में आधुनिक करीमगंज जिले को 'श्रीभूमि'- मां लक्ष्मी की भूमि के रूप में वर्णित किया था। आज असम कैबिनेट ने हमारे लोगों की इस लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा कर दिया है। कैबिनेट के फैसलों पर जानकारी देते हुए असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम कैबिनेट ने आज असम निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने का फैसला किया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अपनी सहमति दे दी है।

किसानों ने 6 दिसंबर से दिल्ली चलो मार्च का किया ऐलान

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) ने सोमवार को घोषणा की कि वे अपनी लंबे समय से लंबित मांगों के समर्थन में 6 दिसंबर को नई दिल्ली तक शांतिपूर्ण मार्च शुरू करेंगे। चंडीगढ़ के किसान भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, किसान नेताओं ने कहा कि पंजाब में हरियाणा और राजस्थान के रत्नपुर के साथ शंभू और खनौरी सीमाओं पर किसानों का धरना सोमवार को 280 दिन पूरे कर चुका है, लेकिन केंद्र की सरकार ने किसानों और खेत मजदूरों की मांगों को पूरा करने से इनकार कर दिया है। 13 फरवरी को तीन स्थानों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था, जब किसानों और खेत मजदूरों ने अपना दिल्ली चलो मार्च शुरू किया था, लेकिन उन्हें हरियाणा सीमा पर रोक दिया गया था। किसान मजदूर संघर्ष समिति (केएमएससी) के प्रमुख जगजीत सिंह डल्लेवाल ने घोषणा की कि वह 26 नवंबर को अनिश्चितकालीन उपवास पर बैठेंगे और अगर मांगें पूरी नहीं हुईं या सरकार बातचीत के लिए आगे नहीं आई, तो दिल्ली तक मार्च शुरू किया जाएगा।

मौसम

अधिकतम तापमान	33.c
न्यूनतम तापमान	24.c

बाजार

सोना	7,177/ g
चांदी	96/ g
सेंसेक्स	81,634.72
निफ्टी	25,013.85

सावरकर मानहानि मामले में राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ी

● 2 दिसंबर को पुणे कोर्ट में पेश होने का समन

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, पुणे में संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों (एमपी/एमएलए) के लिए एक विशेष अदालत ने एक आदेश पारित किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को स्वतंत्रता सेनानी और हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर को कथित रूप से बदनाम करने के उनके खिलाफ मामले के संबंध में 2 दिसंबर, 2024 को व्यक्तिगत रूप से पेश होना चाहिए।

राहुल गांधी को 2 दिसंबर को पुणे कोर्ट में पेश होने का समन

पुणे की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हिंदुत्व के प्रतीक वीडी सावरकर के पोते द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत के संबंध में 2 दिसंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया। सत्यकी सावरकर ने पुणे की एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें दावा किया गया था कि गांधी ने मार्च 2023 में लंदन में अपने भाषण में कहा था कि सावरकर ने एक किताब में लिखा है कि उन्होंने और उनके पांच-छह दोस्तों ने एक बार एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और उन्हें (सावरकर को) खुशी हुई थी। याचिका के अनुसार, सावरकर ने ऐसा कहीं नहीं लिखा है।

मणिपुर में कुकी उग्रवादियों की अब खैर नहीं

आरएसएस ने भी राज्य के हालात पर गंभीर चिंता जताई

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

मणिपुर, मणिपुर की स्थिति पर केंद्र सरकार लगातार निगाह बनाये हुए है साथ ही राज्य सरकार को साफ निर्देश दिये हैं कि उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाये। इस काम में राज्य सरकार की मदद के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल भी भेज दिये गये हैं। आरएसएस ने भी केंद्र और मणिपुर सरकार से कहा है कि शांति व्यवस्था को जल्द से जल्द कायम किया जाना चाहिए। इस बीच, राज्य सरकार ने जिरीबाम मामले की जांच के लिए एक समिति गठित कर दी है ताकि लोगों का आक्रोश कुछ शांत हो। इसके अलावा

एनपीपी की ओर से मणिपुर सरकार से समर्थन वापस लिये जाने के बाद एनडीए विधायकों की बैठक हुई जिसमें राज्य सरकार का मजबूती से समर्थन करने का संकल्प दोहराया गया और कुकी उग्रवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान शुरू करने पर सहमति बनी।

हम आपको बता दें कि मणिपुर में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायकों की एक बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें जिरीबाम जिले में तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या के लिए जिम्मेदार कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सात दिन में बड़े पैमाने पर अभियान चलाने का आह्वान किया गया। हम आपको बता दें कि सोमवार रात को हुई इस बैठक में 27 विधायकों ने भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

संसद के शीतकालीन सत्र को लेकर सरकार ने शुरू की तैयारी

● रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को घोषणा की कि सरकार संसद के शीतकालीन सत्र से पहले 24 नवंबर को संसदीय सौध में एक 'सर्वदलीय बैठक' आयोजित करेगी। एक्स को संबोधित करते हुए, रिजिजू ने कहा कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र के मद्देनजर 24 नवंबर को सुबह 11 बजे मुख्य समिति कक्ष, संसदीय सौध में एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाएगी। इससे पहले रिजिजू ने कहा था कि शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा और 20 दिसंबर तक चलेगा। रिजिजू ने कहा था कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने शीतकालीन सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को 25 नवंबर से 20 दिसंबर, 2024 तक बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रिजिजू ने यह भी कहा कि 26 नवंबर (संविधान दिवस) पर, संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर, कार्यक्रम संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में मनाया जाएगा। शीतकालीन सत्र में सरकार की ओर से वक्फ संशोधन विधेयक पारित करने के प्रयास देखने को मिल सकते हैं, जो फिलहाल सदन की जेपीसी के पास है। सरकार 'वन नेशन वन इलेक्शन' बिल भी पेश कर सकती है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव सुनिश्चित करने के लिए 'वन नेशन वन पोल' हासिल करने की दिशा में काम कर रही है। पीएम मोदी ने कहा था, "अब हम एक राष्ट्र एक चुनाव की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे भारत का लोकतंत्र मजबूत होगा, भारत के संसाधनों का अधिकतम लाभ मिलेगा और देश को विकसित भारत के सपने को साकार करने में नई गति मिलेगी.

महाराष्ट्र चुनाव : विनोद तावड़े के बचाव में उतरी भाजपा, विपक्ष पर लगाया उन्हें बदनाम करने का आरोप

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

मुंबई, महाराष्ट्र चुनाव को लेकर कल वोट डाले जाने हैं। मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर नकदी बांटने का आरोप लगने के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। ये आरोप बहुजन विकास अघाड़ी (बीवीए) नेता हितेंद्र ठाकुर ने लगाए। उन्होंने तावड़े पर महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार स्थित विवांता होटल में मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांटने का आरोप लगाया था। विनोद तावड़े ने इसको लेकर पूरी सफाई दी है। वहीं, भाजपा अब विनोद तावड़े के बचाव में उतर चुकी है।

बीजेपी सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि महाराष्ट्र में, एमवीए द्वारा अंतिम प्रयास के रूप में एक निराधार आरोप लगाया गया है। विनोद तावड़े हमारे राष्ट्रीय सचिव हैं और पार्टी के कई कार्यों की देखरेख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार ने उनसे बैठक में भाग लेने के लिए कहा। वो पास से गुजर रहा था तो मान गया. ऐसी बैठकें पार्टी कार्यकताओं को मतदान प्रक्रिया के संबंध में निर्देश देने के लिए की जाती हैं। हमारा आग्रह है कि होटल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी की जांच की जाए।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 5 करोड़ रुपये जेब में नहीं लाये जा सकते। अगर कोई इसे ले जा रहा होगा तो यह दिखाई देगा। उन्हें सबूत दिखाना चाहिए न कि बेबुनियाद आरोप लगाना चाहिए। महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने कहा कि आज, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव, विनोद तावड़े जी नालासोपारा में स्थानीय पार्टी कार्यकताओं के साथ बैठक कर रहे थे ताकि उन्हें कल के लिए क्या करें और क्या न करें के बारे में समझाया जा सके। वहीं, हमारे विपक्ष के लोगों ने उनके खिलाफ साजिश रची और विनोद तावड़े जी और बीजेपी को बदनाम करने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि प्रशासन ने इस घटना का संज्ञान लिया है और वे मामले की जांच कर रहे हैं, बीजेपी नेता के तौर पर मैं कहना चाहूंगा कि इस तरह के सभी हथकंडे काम नहीं करने वाले हैं। विपक्ष समझ गया है कि वे चुनाव हार रहे हैं और इसीलिए ये सब गंदी हरकतें कर रहे हैं। तावड़े के खिलाफ चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में एफआईआर भी दर्ज की थी। हालांकि, इसका नकदी वितरण के आरोपों से कोई संबंध नहीं है।

मलयालम अभिनेता सिद्दीकी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

रेप से जुड़े केस में दी अग्रिम जमानत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मलयालम अभिनेता सिद्दीकी को एक अभिनेत्री द्वारा 2016 की घटना में उनके खिलाफ दर्ज कथित यौन उत्पीड़न के मामले में अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि अनुभवी अभिनेता को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और जांच में जांच अधिकारी के साथ सहयोग करना होगा। यह शिकायत न्यायमूर्ति हेमा आयोग की रिपोर्ट का नतीजा थी, जिसमें मलयालम सिनेमा में महिला कलाकारों द्वारा सामना किए जाने वाले यौन उत्पीड़न और भेदभाव का विवरण दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में शिकायत 2016 में हुई कथित घटना के आठ साल बाद अगस्त में दर्ज की गई थी। 30 सितंबर को अदालत ने सिद्दीकी को मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी थी। केरल पुलिस ने सिद्दीकी की ओर से जांच में सहयोग की कमी का आरोप लगाया है। केरल पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी स्थिति रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि दिग्गज अभिनेता जांच में बाधा डाल रहे हैं और उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट करने के अलावा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी नष्ट कर दिया है।

मेडिकल इमरजेंसी की चपेट में उत्तर भारत

सो रहे देश के पर्यावरण मंत्री : गोपाल राय

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली का प्रदूषण गंभीर स्थिति में है। वहीं, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भाजपा औक केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। गोपाल राय ने कहा कि प्रदूषण की गंभीर स्थिति को लेकर आपातकालीन बैठक बुलाने के संबंध में दिल्ली सरकार के लगातार अनुरोध के बावजूद भाजपा के पर्यावरण मंत्री सो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से एक बार फिर प्रदूषण पर आपात बैठक बुलाने और कृत्रिम बारिश की अनुमति देने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हस्तक्षेप करना चाहिए, कार्रवाई करना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है तथा केंद्र को प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। गोपाल राय ने कहा कि ग्रैप को पूरे उत्तर भारत में लागू किया जाना चाहिए, भाजपा शासित राज्यों में

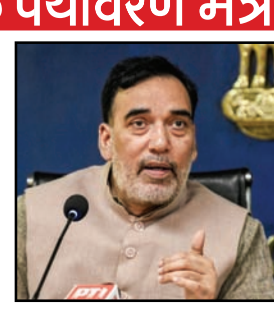

नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम लगातार काम कर रहे हैं। हमने BS-III पेट्रोल चार पहिया वाहनों, BS-IV डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। बाहर से आने वाले सभी ट्रक, डीजल बसों पर रोक लगा दी गई है. 10वीं और 12वीं के लिए भी स्कूल बंद कर दिए गए हैं. तीसरा, कार्यालयों के लिए समय अलग-अलग कर दिया गया है। रही बात वर्क फ्रॉम होम की तो हम उस पर भी काम कर रहे हैं। जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। हम उस पर अमल भी करेंगे। आप नेता ने कहा कि हम उन सभी चीजों पर काम कर रहे हैं जो हमारे हाथ में हैं और हम ऐसा करना जारी रखेंगे। हम केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के साथ एक आपात बैठक की मांग कर रहे हैं ताकि हम जमीन पर सभी कार्रवाई कर सकें। हम ऑड-ईवन पर भी चर्चा कर रहे हैं लेकिन अब एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि हमने इतनी पाबंदियां लगा दी हैं, लोग अब विचार कर रहे हैं कि इसका कितना असर होगा। उन्होंने कहा कि पूरा उत्तर भारत मेडिकल इमरजेंसी की चपेट में है।

राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार को इस तरह से देश के लोगों की जान खतरे में डालने का अधिकार नहीं है। इस पर काम करना होगा. दिल्ली सरकार अपने स्तर पर जो भी काम कर सकती है, कर रही है। उन्होंने कहा कि हम सितंबर से काम कर रहे हैं। केंद्र सरकार इस तरह चुप नहीं रह सकती। कृत्रिम बारिश अब दिल्ली के लिए आपातकालीन जरूरत बन गई है।

गांडेय सीट पर कल्पना सोरेन के टक्कर में उतरी मुनिया देवी, समझिए समीकरण

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

रांची, झारखंड विधानसभा चुनाव की 81 सीटों पर 2 चरणों में मतदान होना है। जिनमें से पहला फेज 13 नवंबर और दूसरा फेज 20 नवंबर को होगा। वहीं 23 नवंबर को वोटों की गिनती होगी। राज्य की 81 विधानसभा सीटों में से एक सीट गांडेय विधानसभा सीट है। इस बार गांडेय विधानसभा सीट पर दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। यह राज्य की हाई प्रोफाइल सीट है। जिस पर 20 नवंबर 2024 को मतदान होना है।

जेएमएम ने कल्पना सोरेन को बनाया प्रत्याशी

झारखंड की गांडेय विधानसभा सीट से हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन चुनावी मैदान में हैं। वह झारखंड मुक्ति मोर्चा के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं। इस साल हुए उपचुनाव में भी कल्पना सोरेन ने जीत हासिल की थी। उन्होंने भाजपा के दिलीप वर्मा को शिकस्त दी थी। कल्पना सोरेना झामुमो की स्टार प्रचारक मानी जाती हैं। वहीं कल्पना सोरेन को टक्कर देने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने मुनिया देवी पर भरोसा जताया है। झारखंड में भाजपा और आजसू साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है।

झामुमो का गढ़ है गांडेय सीट

गांडेय विधानसभा की सीट को झारखंड मुक्ति मोर्चा का गढ़ भी माना जाता है। साल 1977 में यह विधानसभा सीट अस्तित्व में आई थी। तब से लेकर अब तक झामुमो इस सीट पर 6 बार जीत हासिल कर चुकी है। जबकि कांग्रेस पार्टी ने दो बार जीत हासिल की है। साल 1977 में जनता पार्टी के लक्ष्मण स्वर्णकार ने इस सीट से जीत हासिल की थी। फिर साल 1985 में पहली बार जेएमएम ने पहली बार इस सीट पर झंडा गाड़ा था। जेएमएम के सालखन सोरेन इस सीट पर 4 बार विधायक रह चुके हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव

बता दें कि साल 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान गांडेय सीट से झामुमो के सरफराज अहमद ने जीत हासिल की थी। इस चुनाव में सरफराज को कुल 64,795 वोट मिले थे। तो वहीं भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार जय प्रकाश वर्मा 56,116 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे।

अनियंत्रित होकर पिकअप पलटा, मजदूर की मौत

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सवारियों को भर कर लेकर जा रहा तेज रफ्तार पिकअप डाला अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें सवार दो लोग घायल हो गए जिन्हें नजदीकी सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने पप्पू को मृत घोषित कर दिया है। माल थाना क्षेत्र में मंगलवार को तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में पिकअप सवार मजदूर की मौत हो गई। और उसमें सवार साथी घायल हो गया। उधर, हादसे के बाद ड्राइवर समेत पिकअप सवार पांच लोग मौके से भाग निकले। माल थाना क्षेत्र के ग्राम सुक्खा खेड़ा निवासी पप्पू (30) मजदूरी करता था। मंगलवार सुबह पप्पू अपने साथी मूलचंद के साथ मजदूरी के लिए पिकअप से जा रहा था। वह जेहटा रोड पर पहुंचे ही थी तभी अचानक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दौरान पप्पू और मूलचंद उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसा देख चीख पुकार मच गई। पप्पू की हालत नाजुक देख पिकअप चालक गाड़ी छोड़कर मौके से भाग निकला सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्साको ने पप्पू को मृत घोषित कर दिया। साथी घायल मूलचंद को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी देकर घर भेज दिया गया है। मृतक पप्पू के परिवार में पत्नी शांति सहित पांच लोग है। पुलिस ने पिकअप डाले को अपने कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई में जुट गई है।

डॉ. राजेश्वर सिंह की 33 वीं रामरथ यात्रा से अयोध्या पहुंची

एपी सेन गर्ल्स कॉलेज की छात्राएं, किया भव्य राममंदिर के दर्शन

डॉ. राजेश्वर सिंह ने रामरथ से स्कूली छात्राओं को कराया अयोध्या के दर्शन, कहा राम मंदिर निर्माण के सैकड़ों साल के संघर्ष को समझें युवा

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा बस सेवा के माध्यम से श्रद्धालुओं को निःशुल्क अयोध्या दर्शन करवा रहे सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा मंगलवार को एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कॉलेज की छात्राओं और स्टाफ को 33वीं रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा के माध्यम से अयोध्या धाम भेजा गया। इस से पहले रविवार को भी सरोसा - भरोसा और रनियापुर के श्रद्धालुओं को भी अयोध्या दर्शन कराया गया था।

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सरोजनीनगर की जनता से चुनाव के समय किए गए अपने वादे को पूरा करते हुए अपनी मां तारा सिंह की याद में सितंबर 2022 से इस निःशुल्क बस सेवा की शुरूआत की। शुरूआत में इस बस सेवा का संचालन प्रति माह किया जाता रहा है। इस यात्रा सेवा के दौरान श्रद्धालुओं को आदर्श व्यवस्थाओं, घर ले लाने ले जाने की सुविधा, रास्ते में भोजन, जलपान और प्रसाद तथा सुगमता पूर्वक दर्शन कराने की सुविधा के कारण विधायक की यह योजना सभी के दिलों के सबसे करीबी योजना बन गई। क्षेत्र में लगातार रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा की मांग बढ़ने के कारण डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा माह में दो या दो से अधिक बार भी इस बस सेवा का संचालन किया जाता है।

स्कूली छात्र छात्राओं को अयोध्या दर्शन कराने के उद्देश्य को ट्विटर पर साझा करते हुए विधायक डॉ. सिंह ने लिखा उन्हें भव्य राम मंदिर निर्माण के पीछे सैकड़ों साल के संघर्ष का महत्व समझाना और संस्कृति के संरक्षण व आस्था के सम्मान के प्रति संवेदना शील बनाना है। इस क्रम में विधायक द्वारा रण बहादुर सिंह डिजिटल शिक्षा एवं सशक्तिकरण केंद्र के प्रशिक्षुओं को भी अयोध्या दर्शन कराया जा चुका है।

मकान बिक्री के नाम पर विक्रेता ने क्रेता से हड़पे लाखों रुपए

रजिस्ट्री से किया इंकार, रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मानक नगर थाने में एक क्रेता ने विक्रेता पर मकान बिक्री के नाम पर लाखो रुपए हडप मकान की रजिस्ट्री करने से इंकार करने के साथ उसे जान से मारने की धमकी दी है पीड़ित ने घटना की शिकायत स्थानीय थाने मे पुलिस से की है। मानक नगर थाना प्रभारी अजीत सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र स्थित समर बिहार निवासी विजय नारंग पुत्र के०एल० नारंग के अनुसार उनसे जगजीत सिंह पुत्र स्व० योगेन्द्र सिंह निवासी 15अ, राम बिहार कालोनी, ओशोनगर, थाना कृष्णानगर, लखनऊ ने अपने मकान को बेचने के एवज में 6,95,000/- रुपये चेक द्वारा व 2,80,000 रुपये नगद व 03 बार में लिया था। मकान की कीमत 14,00,000/- रुपये तय हुयी थी जिसकी रजिस्ट्री फरवरी 2024 में करनी थी। जब पीडित ने रजिस्ट्री करने के लिये फरवरी में कहा तो आरोपित जगजीत सिंह ने पुनः 100 रुपये के स्टाम्प पेपर पर दो गवाहों के समक्ष लिखा पढ़ी की यदि रजिस्ट्री अक्टूबर 2024 में करते हैं तो 2,32,000 रुपये रिजस्ट्री की कीमत में और घट जायेगें। किन्तु जब माह अक्टूबर 2024 के प्रारम्भ में रजिस्ट्री के लिये कहा गया तो जगदीश सिंह ने साफ इंकार कर दिया और गाली गलौज करने के साथ पैसा मांगने पर उसे झूठे मुकदमों में फंसा दूंगा पुलिस में बहुत जान पहचान की बात कह आरोपित जगजीत की पत्नी प्रीती ने जान से मारने की धमकी दी है।जिसके चलते पीडित ने घटना की शिकायत स्थानीय मानक नगर थाने में पुलिस से की है। पुलिस के अनुसार पीड़ित की शिकायत पर धोखाधड़ी, अमानत में ख्यानत सहित गाली गलौज धमकी की धारा मे रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में घायल बुजुर्ग महिला की इलाज के दौरान मौत

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के मीनापुर में मेला देखकर घर वापस जाते समय सड़क क्रास करने दौरान स्कार्पियो कार की टक्कर से घायल बुजुर्ग महिला की इलाज के दौरान बीते सोमवार को मौत हो गयी।पीड़ित बेटे की तहरीर पर पुलिस स्कार्पियो समेत अज्ञात चालक पर मुकदमा दर्ज कर दुर्घटना करने वाले वाहन की तलाश में जुट गयी हैं।मोहनलालगंज क्षेत्र के डेबरिया भरसवा मजरा कुंदनखेड़ा गांव निवासी बब्लू ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया बीते रविवार को मां निर्मला(68वर्ष) हटिया मेला देखकर मीनापुर डेयरी के पास वाहन से उतरकर घर आने के लिये पैदल सड़क क्रास कर रही थी तभी तेज रफ्तार स्कार्पियो कार यूपी32पीटी6250 की टक्कर से मां निर्मला गम्भीर रूप से घायल हो गयी थी।जिन्हे इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया था।जहां पर इलाज के दौरान बीते सोमवार को मां की मौत हो गयी।इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया मृतका के बेटे की तहरीर पर दुर्घटना करने वाली स्कार्पियो व अज्ञात चालक पर मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी है।

यूपी में फिर सामने आया पीएम आवास योजना में घोटाला

2.50-2.50 लाख ले गए लोग; अधिकारियों पर होगी बड़ी कार्रवाई!

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राजधानी से सटे बाराबंकी जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) योजना के तहत 27.50 लाख रुपये का घोटाला सामने आया है। जिला नगरीय विकास अभिकरण(डूडा) के अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से 11 आवास बनाए बिना ही फर्जी जियोटैग कराकर 2.50-2.50 लाख रुपये का गबन किया गया है।

बाराबंकी के जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार द्वारा कराई गई जांच में घोटाला सामने आने के बाद राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) के निदेशक डॉ. अनिल पाठक ने बाराबंकी की परियोजना अधिकारी विजया तिवारी को जिले से हटाकर विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। विजया के साथ ही बाराबंकी के पूर्व परियोजना अधिकारी सौरभ त्रिपाठी को आरोप पत्र दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग से प्रतिनियुक्त पर आए सौरभ वर्तमान में लखनऊ डूडा में परियोजना अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। सौरभ के खिलाफ चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के महानिदेशक के माध्यम से कार्रवाई की जाएगी।

बाराबंकी के जिलाधिकारी ने 12 नवंबर को सूडा निदेशक को डूडा के अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से प्रधानमंत्री आवास योजना(शहरी) में हुई गड़बड़ी की विस्तृत रिपोर्ट भेजते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की संस्तुति की थी। जिले के नवाबगंज के ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी से कराई गई जांच में परियोजना अधिकारियों के साथ ही आउट सोर्सिंग कर्मचारी अतुल तिवारी, सर्वेयर पंकज, सौरभ, विवेक यादव, सूरज, रवि प्रकाश, आशुतोष पाठक, विकास, शमशेर यादव, एमआईएस आयुष वर्मा, उप जिला समन्वयक राजेश्वर वर्मा, जिला समन्वयक शिवम विश्वकर्मा, सीएलटीसी आशीष चौरसिया आदि को प्रथम दृष्टया दोषी माना गया है।

हमारा शौचालय : हमारा सम्मान अभियान का किया शुभारम्भ

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज लखनऊ , जिला पंचायती राज विभाग और आगा खान फाउंडेशन की संयुक आयोजन ने वर्ल्ड टॉयलेट डे 2024 के अवसर पर विकास भवन सभागार, लखनऊ में हमारा शौचालयः हमारा सम्मान अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान 19 नवंबर 2024 से 10 दिसंबर 2024 तक मानवाधिकार दिवस तक चलेगा इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में 65 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें ग्राम पंचायत प्रधान सामुदायिक शौचालय के संचालक और ग्राम पंचायत सचिव शामिल थे कार्यक्रम का उद्घाटन जिला विकास अधिकारी लखनऊ द्वारा किया गया। इस अवसर पर ADPRO जितेंद्र कुमार, PD विकास कुमार, DC NRLM अभिनव अभिषेक आगा खान फाउंडेशन के जिला कोऑर्डिनेटर शिवांशु मिश्र और ब्लॉक कोऑर्डिनेटर प्राची ने उपस्थिति दर्ज कराई कार्यक्रम के दौरान आगा खान फाउंडेशन के जिला कोऑर्डिनेटर शिवांशु मिश्र ने अभियान के उद्देश्यों लक्ष्यों और आगामी गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक प्रस्तुति दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के महत्व को समुदाय तक पहुंचाना और शौचालयों के उपयोग को सम्मान और स्वाभिमान से जोड़ना है

ADPRO जितेंद्र कुमार सर ने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारा शौचालयः हमारा सम्मान अभियान न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देगा बल्कि समुदाय में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को भी सुदृढ़ करेगा स्वच्छ भारत मिशन के डीसी अभिनव जी ने वर्ल्ड टॉयलेट डे के उद्देश्यों और उसकी आवश्यकता पर चर्चा करते हुए प्रतिभागियों के विचार और सुझाव मांगे। उन्होंने अभियान को अधिक प्रभावी और समृद्ध बनाने के लिए सामुदायिक योगदान पर जोर दिया स्वच्छ भारत मिशन के डीसी अभिनव जी ने वर्ल्ड टॉयलेट डे के उद्देश्यों और उसकी आवश्यकता पर चर्चा करते हुए प्रतिभागियों के विचार और सुझाव मांगे उन्होंने अभियान को अधिक प्रभावी और समृद्ध बनाने के लिए सामुदायिक योगदान पर जोर दिया आगा खान फाउंडेशन और जिला पंचायती राज विभाग, लखनऊ की संयुक्त पहल ने हमारा शौचालयः हमारा सम्मान अभियान की नींव रखी। सभी प्रतिभागियों की सक्रिय उपस्थिति और सहयोग ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। यह अभियान 19 नवंबर 2024 से 10 दिसंबर 2024 तक चलेगा, जिसमें ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम स्वच्छता अभियान, और सामुदायिक चचाएं आयोजित की जाएंगी यह पहल स्वच्छता को समुदाय में एक नई पहचान देने और शौचालयों को गरिमा का प्रतीक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शिक्षण संस्थान में संपन्न हुई संकुल शिक्षक बैठक

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय तारापुर में बच्चों की उन्नत शिक्षा एवं विद्यार्थियों को निपुण बनाने हेतु शैक्षिक गुणवत्ता को लेकर एन ए टी हुआ एन ए एस परीक्षा पर विचार विमर्श हेतु संकुल बैठक संपन्न हुई कार्यक्रम के शुभारंभ में विद्यालय के बच्चों ने सुंदर-सुंदर कलाकृति रंगोली बनाकर आए हुए अतिथियों का भव्य स्वागत किया वही विद्यालय परिसर में मां सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया बैठक में उपस्थित शिक्षक प्रवीण उत्तम राजेश उत्तम कृपाराम दीपा वर्मा प्रतिभा देवी अविनाश सचान आदि ने बच्चों की उच्च गुणवत्ता को लेकर अनेक प्रकार की परिचर्चा की इस मौके पर शिक्षक कांति देवी निधि उत्तम प्रियंका पाल कोमल रीता विद्यालय की शिक्षिका सुधा उत्तम रसोईया कुसुम कली रीना समेत सभी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे कार्यक्रम की प्रमुख आयोजिका विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मनीषा शुक्ला ने आए हुए सभी शिक्षकों अधिकारियों एवं वरिष्ठ गणों का आभार व्यक्त किया

नवंबर में दिसम्बर जैसी कड़ाके की ठंड!

पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में आया बदलाव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। यूपी के अधिकांश शहरों में पिछले कुछ दिनों से घना कोहरा और ठंडी हवाएं चल रही हैं। ठंडी हवाओं ने पारा लुढ़का दिया है। मंगलवार की सुबह शहर से देहात तक कोहरा छाया रहा। ठंडी हवा चलने से लोगों के गरम कपड़े निकल आए। आगरा शहर में ही मौसम में बड़ा बदलाव आया है। अधिकतम तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अभी सुबह कोहरा रहेगा। अधिकतम व न्यूनतम तापमान में अधिकतम व न्यूनतम तापमान में अधिक बदलाव देखने को नहीं मिलेगा।

नवंबर में कड़ाके की ठंड

नवंबर में अभी तक अधिक सर्दी नहीं पड़ी है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान निरंतर सामान्य तापमान से अधिक बने हुए हैं। आगरा में रविवार रात से निरंतर ठंडी हवा चलने से मौसम में बदलाव आया। ठंड का अहसास होने के साथ लोगों के गरम कपड़े निकल आए। मंगलवार सुबह भी शहर में कोहरा छाया रहा। सोमवार को अधिकतम तापमान 25.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

यूपी में इसलिए बदला मौसम का मिजाज

मौसम विज्ञानी मो. दानिश ने बताया कि पाकिस्तान व अफगानिस्तान में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने पर ठंडी हवा चलने से मौसम में परिवर्तन आया है। मंगलवार की सुबह कोहरा रहेगा। 20 से 22 नवंबर तक सुबह कोहरा रहेगा और दोपहर में धूप निकलेगी।

साल 2027 तक बिना नल कनेक्शन के नहीं होगा एक भी गांव या घर - स्वतंत्र देव सिंह

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। गांव के हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और एजेंसियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मंगलवार को सम्मानित किया। जल जीवन मिशन द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने आह्वान किया कि 'आप सबको गांव के हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचाना है। जिससे 2027 के विधानसभा चुनावों में जल जीवन मिशन के बदौलत हम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के के नेतृत्व में चुनाव लड़ सकें। 2027 में तक प्रदेश का एक भी गांव या घर बिना नल कनेक्शन के न रहे। गांव के लोग नल कनेक्शन पहुंचने पर एकतरफा मुहर लगाकर दोबारा भाजपा की सरकार बनाने का काम करें। ये मेरा सपना है और इस सपने को आप सभी को पूरा करना है।' कार्यक्रम के दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, अपर मुख्य सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव, राज्य सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी, ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के एमडी डॉ राजशेखर, अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में प्रदेश भर से आए अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि 2022 में जब उन्हें विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई, तो उत्तर प्रदेश रैंकिंग निचले स्तर पर था। मगर अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता के चलते आज उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक नल कनेक्शन देने वाला राज्य बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश नल कनेक्शन देने में टॉप स्थान पर है।

जल्द ही प्राप्त करेंगे 100 प्रतिशत का लक्ष्य

जलशक्ति मंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन की पूरी टीम ने एक परिवार की तरह काम करते हुए प्रदेश के 2 करोड़ 26 लाख से अधिक घरों तक नल कनेक्शन पहुंचाया है। अब तक 86 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन दिया जा चुका है। जल्द ही इस आंकड़े को 100 प्रतिशत पहुंचाया के लक्ष्य की तरफ काम करना होगा। कार्यक्रम के दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने कहा कि पहले बुंदेलखंड में ट्रेन से पानी आता था। अब हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचाकर पानी की सप्लाई हो रही है। जिससे स्थानीय लोगों के जीवन में सुधार हुआ है।

यूपी ने सबसे कम लागत में घर-घर तक पहुंचाया नल कनेक्शन

कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने जल जीवन मिशन में यूपी की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि सबसे अधिक कनेक्शन देने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश पूरे देश में सबसे कम लागत पर घर-घर नल कनेक्शन पहुंचाने वाला राज्य है। इतना ही नहीं प्रदेश की 80 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं सोलर पर आधारित हैं। ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के एमडी डॉ राजशेखर ने कहा कि कनेक्शन देने के साथ-साथ परियोजनाओं को सोलर आधारित करने से हर साल बिजली बिल में करोड़ों रुपए की बचत होगी।

जल जीवन मिशन से सभी विभागों को लेनी चाहिए प्रेरणा

कार्यक्रम के दौरान राज्य सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि ये पहला सरकारी विभाग है, जो अच्छा काम करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित कर रहा है। दूसरे विभागों को भी इस कदम से प्रेरणा लेनी चाहिए और अधिकारियों-कर्मचारियों के उत्साहवर्धन के लिए ऐसे कार्य करने चाहिए।

75 अधिकारियों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले 74 अधिकारियों, कर्मचारियों और कार्यदायी संस्था के कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्हें पानी की टंकी का मोमेंटो, मेडल और प्रशस्ति पत्र दिया गया।

पुरस्कार पाने वालों ने बताया अपना अनुभव

पुरस्कार पाने वाले कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपना अनुभव भी साझा किया। पुरस्कार पाने वाली कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि ने कहा कि हम दूसरे राज्यों में भी काम करते हैं, मगर यूपी में जो सुरक्षा का माहौल है। वो कहीं नहीं है। यहां सरकारी मशीनरी और प्राइवेट मशीनरी मिलकर एक परिवार की तरह लक्ष्य को पाने के लिए काम करती है।

पैरा शूटिंग चैंपियनशिप में प्रधानाध्यापक आमोद शर्मा को मिला जोनल व सिल्वर मेडल

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।पांचवी ऑल इंडिया जोनल नेशनल पैरा शूटिंग चैंपियनशिप मे बेहतर प्रदर्शन करते हुये मोहनलालगंज क्षेत्र के भजनमऊ के प्राथमिक विद्यालय में तैनात प्रधानाध्यापक आमोद शर्मा ने जोनल व सिल्वर मेडल जीतकर क्षेत्र का मान बढाया है।7 नवंबर से 16 नवंबर तक महाराष्ट्र के पुणे में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।इस आयोजन मे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से अनुमति के बाद प्रभारी प्रधानाध्यापक आमोद शर्मा ने प्रतिभाग किया गया, जिसमें पांचवी जोनल शूटिंग फाइनल इवेंट में 400 अंको में से 354 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान पर रहे व सिल्वर मेडल प्राप्त किया। प्रधानाध्यापक अमोद शर्मा ने ऑल इंडिया नेशनल पुणे शूटिंग चैंपियनशिप में फाइनल में 600 अंकों में से 514 अंक प्राप्त कर 82वें स्थान पर रहे।प्रधानाध्यापक आमोद शर्मा को सिल्वर मेडल जीतने पर एडी बेसिक श्याम किशोर तिवारी व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राम प्रवेश समेत खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय राजेश सिंह ने बंधाई दी।वही शिक्षको भी प्रधानाध्यापक को बंधाई दी।

छःदिन से लापता किशोर का नही चल सका पता, पिता ने दर्ज करायी गुमशुदगी

अमन लेखनी समाचार

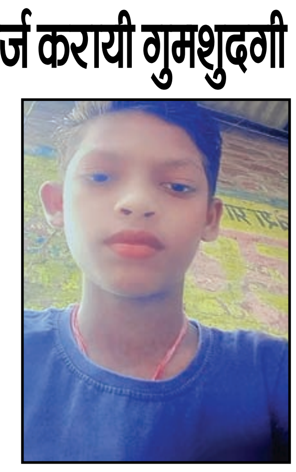

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के सिसेंडी गांव से लापता किशोर का छः दिन बाद भी पता नही चल सका।काफी खोजबीन के बाद भी किशोर का पता ना चलने पर पिता ने पुलिस से लिखित शिकायत कर बेटे को तलाशने की गुहार लगायी??।पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर लापता किशोर की तलाश में जुट गयी है।बिहार के भागलपुर जनपद के थाना खरिक बाजार के नया टोला,मिर्जाफरी निवासी रूपेश कुमार ने बताया वो मोहनलालगंज के सिसेंडी कस्बे में किराये के मकान में परिवार सहित रहकर एक आढत में मजदूरी करता है,बीते 14नवम्बर को 12वर्षीय बेटे रूपेश कुमार को शरारत करने पर डांट दिया जिसके बाद वो घर छोड़कर चला गया।काफी खोजबीन के बाद भी लापता बेटे का कुछ भी पता नही चल सका है।इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया पीड़ित पिता द्वारा दी गयी तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज कर किशोर की तलाश शुरू कर दी गयी हैं।

यूपी के ग्रामीण इलाकों में बिजली की किल्लत

मांग ज्यादा है फिर भी सिर्फ 18 घंटे हो रही आपूर्ति

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली की अधिकता होने के बावजूद ग्रामीण इलाकों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति नहीं मिल रही है। यह स्थिति तब उत्पन्न हुई है, जब राज्य में बिजली की मांग घटने के बावजूद पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन ने अपनी उत्पादन यूनिट्स को बंद कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप गांवों में बिजली की आपूर्ति अब भी 18-19 घंटे तक ही सीमित रह गई है, जो उपभोक्ताओं के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है।

उपभोक्ताओं को बिजली पाने का कानूनन अधिकार

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने पावर कॉर्पोरेशन के इस निर्णय पर कड़ा एतराज जताया है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि जब बिजली की उपलब्धता अधिक है और मांग कम हो गई है, तो फिर क्यों पावर कॉर्पोरेशन ग्रामीण इलाकों को 24 घंटे बिजली देने के बजाय अपनी यूनिट्स को बंद कर रहा है? उनका यह भी कहना है कि जब तीन दिन पहले तक ग्रामीण क्षेत्रों को भी 24 घंटे बिजली आपूर्ति मिल रही थी, तब राज्य की अधिकतम बिजली मांग 19,860 से 19,928 मेगावाट के बीच थी, लेकिन अब, जब बिजली की मांग कम हुई है, तो सात यूनिटों को बंद करने के बावजूद ग्रामीण इलाकों को पूरी बिजली क्यों नहीं दी जा रही?

पावर कॉर्पोरेशनने हाल ही में अपनी सात उत्पादन यूनिट्स (जिनकी कुल क्षमता 1600 मेगावाट है) को बंद कर दिया है, क्योंकि मांग घटने के कारण इनकी आवश्यकता नहीं थी, लेकिन इस निर्णय से केवल शहरी क्षेत्रों को ही लाभ मिल रहा है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों को उचित आपूर्ति नहीं मिल पा रही। वर्मा का आरोप है कि पावर कॉर्पोरेशन की यह कार्यप्रणाली उपभोक्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन कर रही है।

गांव में 24 घंटे बिजली की हो रही आपूर्ति

उन्होंने यह भी बताया कि जब उत्पादन यूनिट्स बंद की जाती हैं, तो उनकी फिक्स लागत (जो बिजली के उत्पादन से जुड़ी होती है) उपभोक्ताओं को बिजली दर के रूप में चुकानी पड़ती है। ऐसे में यह साफ नहीं है कि जब मांग कम हो, तो यूनिट बंद करने के बजाय क्यों अन्य विकल्प नहीं अपनाए जाते। वर्मा का कहना है कि पावर कॉर्पोरेशन को चाहिए कि वह अपने फैसलों पर पुनर्विचार करे और ग्रामीण क्षेत्रों में भी 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करे।

संक्षेप

पति पर तीन तलाक देने का आरोप, पीड़िता बोली- देवर से हलाला का बनाया दबाव

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कस्बे में एक महिला ने पति पर तीन तलाक देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने कहा कि देवर के साथ हलाला करने का दबाव भी बनाया है।दरअसल आज मंगलवार शाम चार बजे बांगरमऊ कस्बे में एक महिला ने पति पर तीन तलाक देने और देवर के साथ हलाला करने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पीड़िता के मुताबिक, विरोध करने पर पति ने उसे पीटकर घर से निकाल दिया है।कानपुर नगर के रावतपुर निवासी महिला ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि साल 2019 में उसकी शादी बांगरमऊ के मोहल्ला नसीमगंज निवासी युवक के साथ हुई थी। शादी के बाद ससुरालीजन मायके से दो लाख रुपये और बाइक लाने का दबाव बनाने लगे।पीड़िता का आरोप है कि जेठ भी अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं। शिकायत करने पर पति ने उसे तीन तलाक दे दिया। देवर के साथ हलाला के बाद ही दोबारा निकाह करने की बात कही। आरोप है कि इससे इन्कार करने पर ससुरालीजनों ने पीटकर घर से निकाल दिया। कोतवाल राजेश पाठक ने बताया कि शिकायत मिली है, जांच की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र के घनश्याम खेड़ा गांव का रहने वाला एक वाहन चालक अपने घर से खेत में काम करने के लिए निकला था। रास्ते में ही पेड़ से उसका फंदे से शव लटकता मिला है। ग्रामीणों ने शव देख घटना की जानकारी परिजनों को दी।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घनश्याम खेड़ा गांव निवासी संदीप (20) पुत्र तुलसी पेशे से वाहन चालक था। काम निपटाने के बाद वह घर पहुंचा और खेतों में खड़ी धान की फसल में कुछ काम करने के लिए घर से निकल गया। कुछ देर बाद ही खेतों में मतेशी त्तरा रहे गामीणों ने पेट सेगया। शिनाख्त करने के बाद घटना की जानकारी परिजनों को दी।मृतक के पिता और चचेरे भाई मौके पर पहुंचे और उन्होंने घटना की जानकारी अचलगंज थाना पुलिस को दी। फांसी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल के बाद मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मोर्चरी हाउस पहुंचे चचेरे भाई ने बताया कि वह एक पेट्रोल पंप पर वाहन चलाता था। पिता तुलसी भी पेशे से चालक हैं। युवक तीन बहन और दो भाई थे। फिलहाल संदीप की मौत का कारण परिवरीजन भी नहीं समझ सके हैं। वाहन चलाकर घर की जिम्मेदारी में हाथ बंटाता था। पुलिस कई बिंदुओं पर जांच पड़ताल कर रही है।

वाहन चालकों के लिए नया रूट किया गया डायवर्जन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। एनएच 97 पर निमार्णाधीन एनई 6 के कारण यातायात में परेशानी का सामना कर रहे वाहन चालकों के लिए उन्नाव पुलिस ने नया रूट डायवर्जन लागू किया है। सड़क पर गडर (बीम) रखे जाने के कारण यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए यह कदम उठाया गया है। एसपी दीपक भूकर ने कानपुर कमिश्नरेट के डीसीपी रविंद्र कुमार के साथ मिलकर इस डायवर्जन के लिए रणनीति तैयार की, जिसे अब यातायात प्रभारी भुवन सिंह मौर्य की निगरानी में लागू किया गया है।मरहला चौराहे से अचलगंज व कानपुर की ओर जाने वाले वाहनः इन सभी हल्के और भारी वाहनों को आजाद मार्ग से बांए घूमकर शेखपुर नरी कट, गदनखेड़ा से यू-टर्न लेकर अपने गंतव्य तक जाने के निर्देश दिए गए हैं। यह मार्ग अस्थायी रूप से यातायात के लिए सुरक्षित रखा गया है।

अचलगंज से मरहला चौराहे और लखनऊ की ओर जाने वाले वाहन, इस रूट पर जाने वाले हल्के और भारी वाहनों को आजाद मार्ग से बांए घूमकर त्रिभुवन खेड़ा कट से यू-टर्न लेकर अपने गंतव्य तक जाना होगा। यह डायवर्जन भी यातायात को सुगमबनाने के लिए लागू किया गया है।

लखनऊ की तरफ से आने वाले वाहन जो मरहला चौराहे की ओर जाना चाहते हैं, इन सभी हल्के और भारी वाहनों को त्रिभुवन खेड़ा से यू-टर्न लेकर मरहला चौराहे की ओर जाना होगा। यह बदलाव यातायात के सुचारू संचालन के लिए किया गया है।कानपुर की तरफ से आने वाले वाहन जो अचलगंज की ओर जाना चाहते हैं, इस रूट पर जाने वाले सभी हल्के और भारी वाहनों को शेखपुर नरी कट से यू-टर्न लेकर अचलगंज की ओर जाना होगा।डायवर्जन के लागू होने से आम जनता को असुविधा से बचाने के लिए प्रशासन ने यातायात विभाग को सभी जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया है।

एसपी दीपक भूकर ने कहा- इस बदलाव के बावजूद उनकी टीम हर तरह से मार्गों की निगरानी रखेगी और किसी भी प्रकार की समस्या को तत्काल हल किया जाएगा। इसके साथ ही यातायात प्रभारी भुवन सिंह मौर्य को डायवर्जन की जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यातायात में कोई व्यवधान न आए और वाहन चालकों को किसी भी तरह की परेशानी न हो।डीसीपी रविंद्र कुमार के अनुसार, इस डायवर्जन के बाद भी पुलिस बल हर चौराहे और मुख्य मार्गों पर तैनात रहेगा। ताकि यातायात को व्यवस्थित तरीके से चलाया जा सके और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। प्रशासन का उद्देश्य यह है कि निर्माण कार्य के दौरान सड़क पर किसी भी प्रकार का जाम या अव्यवस्था न हो, जिससे जनता को कोई परेशानी हो।

भागवत कथा के तीसरे दिन ध्रुव चरित्र व भक्त प्रह्लाद का किया वर्णन

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील बीघापुर क्षेत्र के ग्राम मानपुर मनिकापुर मे आयोजित भागवत कथा के तीसरे दिन कन्चौसी औरैया से पधारे कथा व्यास पं लक्ष्मीकांत पाण्डेय ने ध्रुव चरित्र सुनाते हुए भक्त प्रहलाद का वर्णन किया।

सुनीति के पुत्र का नाम ध्रुव रखा गया और सुरूचि के पुत्र का नाम उत्तम। राजा की आसक्ति नीति में कम और रूचि में अधिक थी इसलिए उनका नाम उत्तानपाद हुआ। ध्रुव उत्तम से बड़े थे।

एक बार की बात है, राजा उत्तम को अपनी गोद में लिये सिंघासन पे बैठे थे। ध्रुव ने देखा तो उसकी भी इच्छा हुयी अपने पिता के गोद में बैठने की और वह धीरे-धीरे अपने पिता के करीब पहुँच गया। पिता ने डर से छोटी रानी की ओर देखा पर सुरुचि ने मना कर दिया और ध्रुव की ओर मूंह करके के कहाः

" रे ध्रुव मेरा पुत्र करहीं, चाह न कर नृप गोदन का

चाहे मेरा सुत बनना तो ध्यान धरो पुरुषोत्तम का"।

सुरुचि ने कहा कि अगर तु राजा की गोद में बैठना चाहता है तो तुझे मेरी कोख से जन्म लेना होगा और इसके लिये तुझे भगवान की तपस्या करनी होगी। उन्होंने कहा कि निष्काम भक्त प्रहलाद ने अपने पिता की मुक्ति के लिए याचना की। जो भक्त कथा सुनना, कीर्तन करना, बन्धन करना, अर्चन करना, पूजन करना, चरण बन्दन करना, दास भाव स्थापित करना आ जाता है भगवान ऐसे भक्तों का कल्याण अवश्य करते है। ओम (ॐ) सभी ग्रंथों का सार है। अकार भगवान विष्णु हैं और मकार जीव। उकार जीवात्मा और परमात्मा के मध्य के संबंध को दशार्ता है। प्रणव (ॐ) धनुष है और आत्मा बाण। जो प्रणव रूपी धनुष से आत्मा रूपी बाण को शरीर से त्यागता है, वो लौटकर इस लोक में नहीं आता, मुक्त हो जाता है।

कथा मे यजमान शिव हर्ष सिंह, आशा सिंह, रामराज सिंह, रतीभान सिंह, कमल सिह, अरुण प्रकाश मिश्रा, शरदेंदु मिश्रा, रघुपति सिंह, रमेश तिवारी, राम चन्द्र शुक्ला, रावेन्द्र सिंह, नरेन्द्र मोहन मिश्रा, राज सिंह, सोनी मिश्रा, विश्वास प्रताप सिंह, अथर्व सिंह आदि सैकड़ो भक्त उपस्थित रहे।

छात्र छात्राओं को पुरस्कृत कर किया गया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने ₹सड़क सुरक्षा₹ विषय पर आयोजित जनपद स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थानीय इंदिरा गांधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विजई छात्र छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। स्थानीय इंदिरा गांधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो सदानंद राय के संरक्षण एवं सड़क सुरक्षा प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार द्विवेदी व सह प्रभारी डॉ सविता राजन के नेतृत्व में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने जनपद स्तरीय भाषण प्रतियोगिता अंतर्गत आंचल सिंह ने प्रथम, पोस्टर में अंशू गुप्ता द्वितीय, क्विज में वासुदेव द्वितीय व निवेदिता तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि भाषण प्रतियोगिता में स्नेहा यादव को सांत्वना पुरूस्कार प्राप्त हुआ। प्राचार्य प्रो राय सहित सभी प्राध्यापकों ने छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कि विजई छात्र छात्राओं ने महाविद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी स्वेता वर्मा ने प्रमाण-पत्र देकर एवं पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

साइकिल सवार पिता-पुत्र को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, पिता की मौत, पुत्र घायल

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बारासगवर क्षेत्र में साइकिल से खाद लेने जा रहे पिता पुत्र को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे पिता की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि गंभीर रूप से घायल पुत्र को उपचार हेतु जिला अस्तपताल रिफर किया गया है।

थाना क्षेत्र के लालकुवा-ऊँचगाव मार्ग के करनाईपुर गाँव के समीप पाली थाना बीघापुर निवासी जगदीश 70 वर्ष पुत्र सत्यनारायण अपने बेटे राम जी के साथ टेढ़ा गाँव मे खाद लेने जा रहे थे तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी जिससे पिता -पुत्र छिटककर दूर जा गिरे। पिता के सर में गंभीर चोट आ गयी जिसके कारण बहुत सा खून बह जाने से घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। जबकि पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया।राहगीरों की मदद से एम्बुलेंस द्वारा घायल को बीघापुर सौ बेड शैय्या अस्तपताल ले जाया गया जहा डॉक्टरो ने घायल को जिला अस्तपताल रिफर कर दिया थानाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया म्रतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्तपताल भेज दिया गया है। परिवारवालों की तरफ से अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नही हुई है।मृतक जगदीश के पाँच पुत्र व 2 विवाहित पुत्रिया है। मृतक की पत्नी रामकली सहित पूरे परिवार का रो रो कर बुरा हाल है।

दरोगा से पीड़ित वृद्ध के पुत्र ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बीते शनिवार को बीघापुर तहसील में हुए संपूर्ण तहसील समाधान दिवस में एक बुजुर्ग ने बिहार थाने में तैनात एक दरोगा के खिलाफ डीएम-एसपी से मारपीट की शिकायत की। आरोप था कि दरोगा ने लात-घूंसों से जमकर पीटा था। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। मंगलवार को फिर से पीड़ित के बेटे ने एसपी से दरोगा के खिलाफ गुहार लगाई है।बिहार थाना क्षेत्र के सहिला गांव निवासी श्यामू तिवारी ने एसपी ऑफिस पहुंचकर अफसरों से बताया कि उसके पिता सुशील तिवारी को नौ नवंबर को भाइयों के बीच का विवाद सुलझाने के लिए बिहार थाने बुलायागया था। आरोप लगाया कि पुलिस का दबाव न मानने पर एक दरोगा के के यादव ने पिता की लात-घूंसों से पिटाई कर दी थी। शिकायत करने पर दरोगा ने परिवार सहित दुष्कर्म के मुकदमे में फंसाने की धमकी दी थी। श्यामू ने बताया कि इस घटना के सदमे से 12 नवंबर को 17 वर्षीय बेटे अर्पित तिवारी की मौत हो गई। श्यामू ने रोते हुए कहा कि साहब, जिस बेटे को बहुत प्यार से पाला था उसकी ही अर्थी उठानी पड़ी। पीड़ित ने न्याय की गुहार लगाई। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने श्यामू की पीड़ा सुनकर मातहतों को जांच के आदेश दिए।एसपी ऑफिस पहुंचे बेटा श्यामू तिवारी ने बताया कि दारोगा ने उनके 76 वर्षीय पिता का शांति भंग में चालान कर दिया। उन्हें किसी तरह छुड़ाकर वह वापस घर ले गए। उसके बाद दरोगा दुष्कर्म में के मुकदमे में फंसाने की लगातार धमकी दे रहा है। डीएम से लेकर एसपी तक न्याय की गुहार लगाई, लेकिन कहीं न्याय नहीं मिला।

बोला- छोटे भाई ने भर दिए रुपए

श्यामू तिवारी ने बताया कि उसका छोटा भाई पैसे वाला है और इसके पहले उसके छोटे भाई ने दरोगा को पैसे दिए जिसकी वजह से उसने मेरा घर जबरन लिखवा दिया। अब हमारे पास दो बीघा खेती है उसे भी डराधमकाकर दरोगा छोटे भाई के नाम लिखवाना चाहता है। इसी को लेकर वह प्रताड़ित कर रहा है।

घर से खेत को निकले युवक का पेड़ से लटकता मिला शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र के घनश्याम खेड़ा गांव का रहने वाला एक वाहन चालक अपने घर से खेत में काम करने के लिए निकला था। रास्ते में ही पेड़ से उसका फंदे से शव लटलता मिला है ग्रामीणों ने शव देख घटना की जानकारी परिजनों को दी। मौके पर पहुँचे परिजनों ने सूचना पुलिस को दी।

पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजने के साथ ही जांच पड़ताल की है। जानकारी के अनुसार घनश्याम खेड़ा गांव निवासी संदीप (20) पुत्र तुलसी पेशे से वाहन चालक था। काम निपटाने के बाद वह घर पहुंचा और खेतों में खड़ी धान की फसल में कुछ काम करने के लिए घर से निकल गया। कुछ देर बाद ही खेतों में मवेशी चरा रहे ग्रामीणों ने पेड़ से शव लटकता देख तो कोहराम मच गया। शिनाख्त करने के बाद घटना की जानकारी परिजनों को दी। सूचना मिलते ही मृतक के पिता और चचेरे भाई मौके पर पहुंचे और उन्होंने घटना की जानकारी अचलगंज थाना पुलिस को दी। फांसी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल के बाद मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मोर्चरी हाउस पहुंचे चचेरे भाई ने बताया कि वह एक पेट्रोल पंप पर वाहन चलाता था। पिता तुलसी भी पेशे से चालक हैं मृतक तीन बहन और दो भाई थे। फिलहाल संदीप की मौत का कारण परिवरीजन भी नहीं समझ सके हैं। पुलिस कई बिंदुओं पर जांच पड़ताल कर रही है।

सरस्वती मेडिकल कॉलेज में नवागंतुक एमबी बीएस बैच 2024 का स्वागत समारोह

अमन लेखनी समाचार

नवाबगंज, उन्नाव। सरस्वती मेडिकल कॉलेज उन्नाव में नवागंतुक एम०बी०बी०एस० पाठ्यक्रम बैच वर्ष 2024 के छात्र-छात्राओं का प्रथम परिचय समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. आर.एन. श्रीवास्तव एवं मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ. श्वेतांक अग्रवाल उपस्थित रहे। समारोह की शुरूआत डॉ आर.एन. श्रीवास्तव के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने छात्रों का कॉलेज की विशेषताओं और उपलब्धियों से परिचय कराया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार सरस्वती मेडिकल कॉलेज ने वर्षों से चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त की है और कैसे यह संस्थान छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।डॉ.श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा हमारा कॉलेज न केवल शिक्षाविदों में उत्कृष्टता प्रदान करता है बल्कि छात्रों के नैतिक और सामाजिक विकास पर भी जोर देता है। उन्होंने नवांगतुक छात्रों को सलाह दी कि वे अपने वरिष्ठों के साथ संयमित अनुशासनपूर्वक और शिष्टाचार से व्यवहार करें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का व्यवहार न केवल संस्थान की गरिमा बनाए रखता है बल्कि छात्रों के व्यक्तिगत विकास में भी सहायक होता है।मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ. श्वेतांक अग्रवाल ने भी छात्रों को संबोधित किया और कहा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के संस्थानों में छुटपुट रैगिंग की घटनाएँ होती रहती हैं। हमें इनसे सतर्क और जागरूक रहना चाहिए। चीफ प्रोवोस्ट डॉ. षेर सिंह नेगी उन्होंने छात्रों को एंटी रैगिंग सेल के टोल फ्री नंबर और संस्थान की एंटी रैगिंग समिति से भी परिचित कराया और छात्रों को किसी भी प्रकार की रैगिंग घटना की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया।फिजियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. मो.बयाजुद्दीन ने इस कार्यक्रम का सफल संचालन किया एवं नवागंतुक छात्र-छात्राओं को प्रेरणादायक शब्दों में संबोधित किया।उन्होंने कहा कि अब जब आपने इस प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश कर लिया है तो आपको अपने माता-पिता के स्नेह और घर के आराम को छोड़कर चिकित्सा शिक्षा की साधना में पूरी तरह से समर्पित होना होगा। चिकित्सा शिक्षा का मार्ग आसान नहीं है और इसमें निरंतर प्रयास और कठोर अध्ययन की आवश्यकता होती है।समारोह के दौरान छात्रों का उनके पाठ्यक्रम के विभिन्न विभागों के आचार्यों और सह आचार्यों से परिचय कराया गया। यह अवसर न केवल छात्रों के लिए बल्कि उनके माता-पिता के लिए भी महत्वपूर्ण था जो अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ समारोह में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में संस्थान के समस्त आचार्य, सह आचार्य और कई अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के भागू खेड़ा पिपरासर निवासी दीपक कुमार पुत्र स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण 24 वर्ष की 11 नवंबर को हुई।सड़क दुर्घटना के चलते इलाज के दौरान लखनऊ में मंगलवार को मौत हो गई। मौत की सूचना पर घर में कोहराम मच गया। भागूखेड़ा पिपरासर निवासी दीपक कुमार 11 नवंबर दोपहर 3 बजे बाइक से गांव से करमी स्थित चक्की पर गेहूं पिसाने जा रहा था। तभी सामने से आ रही कंबाइन मशीन ने बाइक में टक्कर मार दिए। जिससे दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिला चिकित्सालय से रिफर होने के बाद परिजनों ने दीपक को लखनऊ पीजीआई ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया।जहां इलाज के दौरान मंगलवार सुबह दीपक की मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज लखनऊ में शव का पीएम कराया गया। मां विद्या ने थाने में कंबाइन मशीन के मालिक संकरी पुत्र नान्हू तथा अज्ञात ड्राइवर विरुद्ध थाने में तहरीर दी थी। थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया था। पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था और इकलौती बहन पिंकी की कुछ वर्ष पहले ही शादी हुई थी। घर में ही रहकर खेती बाड़ी में सहयोग करता था। मौत की खबर सुनते ही मां विद्या बड़े भाई संतोष, टिंकू का रो रो कर बुरा हाल था। गांव में जैसे ही मौत की खबर हुई वैसे गांव में मातम सा छा गया।

आदेशों की उड़ रही धज्जियां खेतो मे किसान जला रहे हैं पराली

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। क्षेत्र में बड़े काश्तकार किसान मनाही के बावजूद भी धड़ल्ले से पराली जला रहे हैं। प्रशासन द्वारा पराली जलाने के खिलाफ सख्त निर्देश दिए गए हैं, लेकिन जागरूकता की कमी और प्रशासन की प्रभावहीन कार्रवाई के कारण किसान लगातार पराली जलाते जा रहे हैं। इससे न केवल वायु प्रदूषण बढ़ रहा है, बल्कि पर्यावरण भी गंभीर खतरे में पड़ रहा है।धान की फसल के कटने के बाद खेतों में बची हुई पराली को जलाने से उठने वाले धुएं से वायु प्रदूषण हो रहा है। इससे न केवल स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, बल्कि पर्यावरण भीतेजी से प्रदूषित हो रहा है। शासन ने खेतों में पराली जलाने पर रोक लगाई है और इसके खिलाफ जुमार्ना और कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया है, लेकिन इसके बावजूद किसान इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे।हर गांव में पराली जलाने का सिलसिला जारी, जिम्मेदारों का नहीं हो रहा कोई असररात होते ही हसनगंज क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बड़े काश्तकार किसान खेतों में पराली जलाने की गतिविधि तेज कर देते हैं। हरौनी समसुद्दीन पुर, घूरामऊ, समदपुर हरदास, कोरी कल्याण, ताला सराय, रसूलपुर बकिया, बभना खेड़ा, शंकर पुर कोईया सहित अन्य गांवोंमें कंबाइन मशीन से फसल कटवाने के बाद किसान रात में अवशेषों में आग लगा देते हैं। इस पर कोई प्रभावी कार्रवाई न होने से अन्य किसान भी इसी रास्ते पर चल रहे हैं।इस संबंध में एसडीएम रामदेव निषाद ने कहा कि पराली जलाना एक गंभीर अपराध है और इस पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों को पहले ही निर्देशित किया गया था कि वे गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करें, लेकिन अगर इसके बावजूद भी पराली जलाने की घटनाएं जारी रहती हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब लिया जाएगा।

6 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का किया जा रहा आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। खेल निदेषालय उत्तर प्रदेष, लखनऊ के तत्वावधान में जिला खेल कार्यालय उन्नाव में पं0 दीन दयाल उपाध्याय जन्मषताब्दी वर्श के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय जूनियर वर्ग में चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता (18 नवम्बर, 2024 से 23 नवम्बर, 2024 तक) के दूसरे दिन का आयोजन का षुभारम्भ राहुल षप्रु, अन्तर्राश्ट्रीय क्रिकेट खिलाडी एवं मुकेष कुमार सब्बरवाल, क्रीडा अधिकारी उन्नाव की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। प्रतियोगिता में खेलों गए मैचों का विवरण निम्न प्रकार है-

प्रतियोगिता के दूसरे दिन का तीसरा मैच-

रॉयल किंग स्टेडियम जूनियर उन्नाव किग्सन पब्लिक स्कूल उन्नाव के मध्य खेला गया, किग्सन पब्लिक स्कूल उन्नाव ने टास जीत कर फिल्डिंग करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल किंग स्टेडियम जूनियर उन्नाव की टीम 10 ओवर में 03 विकेट खोकर 101 रन बनाए, रॉयल किंग स्टेडियम जूनियर टीम के बल्लेबाजों में कृष्ण शर्मा ने 35 रन तथा कृष्णा सोनी ने नाबाद 30 रन बनाये। किंग्सन पब्लिक स्कूल उन्नाव की टीम के ओर से कौषिक द्वारा 01 विकेट लिया गया। जबाव में उतरी किंग्सन पब्लिक स्कूल उन्नाव टीम बल्लेबाजी करते हुए 6.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर मात्र 20 रन ही बना पायी, जिसमें आदित्य शर्मा ने 15 रनों का सहयोग प्रदान किया गया। रॉयल किंग स्टेडियम जूनियर उन्नाव टीम के गेदबाजों में सक्षम ने 03 विकेट और अविराट ने 02 विकेट, तथा अंष निगम व अभय व आर्यान यादव द्वारा 01-01- विकेट लिए गये। रॉयल किंग स्टेडियम जूनियर उन्नाव की टीम दूसरे दिन का तीसरा मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेष कर अपनी जगह बना ली है।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन का चौथा मैच-

षप्रू क्रिकेट एकादमी उन्नाव सेण्ट ज्यूस इण्टर कालेज उन्नाव के मध्य खेला गया, षप्रू क्रिकेट एकादमी उन्नाव

ने टास जीत कर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी षप्रू क्रिकेट एकादमी उन्नाव की टीम 10 ओवर में 02 विकेट खोकर 111 रन बनाये, जिसमें षप्रू क्रिकेट एकादमी उन्नाव टीम के बल्लेबाजों में अभय निशाद ने 54 रन तथा शरद यादव ने नाबाद 39 रन बनाये। सेण्ट ज्यूस इण्टर कालेज उन्नाव टीम के ओर से बॉलिग करते हुए कृष्णा त्रिवेदी ने 01 विकेट लिया गया, लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेण्ट ज्यूस इण्टर कालेज उन्नाव टीम बल्लेबाजी करते हुए मात्र 10 ओवरों में 05 विकेट खोकर मात्र 83 रन ही बना पायी, जिसमें रितिक अवस्थी ने 23 रन बनाये तथा कृष्णा त्रिवेदी ने 18 व वैदिक सिंह ने नाबाद 09 रनों का सहयोग प्रदान किया गया। सेण्ट ज्यूस इण्टर कालेज उन्नाव की टीम नाकआउट मैच में बाहर का रास्ता देखने को मिला। षप्रु क्रिकेट एकादमी उन्नाव की टीम दूसरे दिन का चौथा मैच जीतकर सेमीफाइलन में प्रवेष कर अपनी जगह बना ली है।

दिनाक 20-11-2024 को प्रतियोगिता के तीसरा दिन में होने वाले मैचों का विवरण-

पहला सेमीफाइनल मैच- एस0 एस0 एकादमी उन्नाव स्पोर्ट्स स्टेडियम इलेवल, उन्नाव के बीच खेला जायेगा।

दूसरा सेमीफाइनल मैच- षप्रू क्रिकेट एकादमी उन्नाव रॉयल किंग स्टेडियम जूनियर उन्नाव के बीच खेला जायेगा।

जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन में संदीप यादव प्रांजुल तिवारी अम्पायर एंव षिषिर वाजपेयी, स्कोरर, द्वारा अहम योगदान दिया गया। इस अवसर पर श अभिशेक श्रीवास्तव, विकास अवस्थी, कुषमेष कुमार षिवानी गुप्ता, आनन्द मोहन, शशीकान्त, मनोज कुमार एवं स्टेडियम के समस्त स्टाफ और कर्मचारी तथा जनपद उन्नाव के गणमान्य व्यक्ति दर्षक के रूप में मौजूद रहे।

संकुल बैठक में अच्छे विद्यालयों की सराहना, छात्र उपस्थिति बढ़ाने के सख्त निर्देश

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। विकासखंड औरास के उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा में शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन बीईओ संजय शुक्ल के निर्देशन में प्रारंभ हुआ। सरस्वती पूजन के पश्चात पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों को ससमय विद्यालय पहुंचकर शिक्षण कार्यों को संपादित करने, विद्यालयों में छात्र उपस्थिति बढ़ाने, नैट परीक्षा के आयोजन, परख एप पर उपस्थिति लेने, ओएमआर शीट के अभ्यास, नवाचारों का प्रयोग और आगामी खेल कूद प्रतियोगिता में बच्चों के प्रतिभाग करने संबंधी सुझाव और निर्देश दिए। बैठक में सभी सत्रह विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाओं और शिक्षामित्रों ने प्रतिभाग किया। जिन विद्यालयों में छात्र उपस्थिति कम है उन विद्यालयों को माह के अंत तक

अपेक्षात्मक सुधार को कहा गया। बैठक में सीडीओ उन्नाव और बीएसए द्वारा ली जा रही जूम मीटिंग का लाइव प्रसारण हुआ। सीडीओ द्वारा शिक्षकों की समस्याओं का भी समाधान सुझाया गया और कम उपस्थिति होने पर कड़ी कार्यवाही की बात कही गई। बीएसए संगीता सिंह ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को कम उपस्थिति वाले विद्यालयों के सुनियोजित निरीक्षण और जल्द ही सुधार करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में कौमी एकता सप्ताह दिवस मनाए जाने और पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों को आयोजित करने के भी निर्देश संजय शुक्ल द्वारा दिए गए। बैठक में शिक्षक संकुल अर्पित ने विभिन्न मदों में आई धनराशि की जानकारी दी। एआरपी इम्तियाज हुसैन ने 25 व 26 नवंबर को आयोजित होने वाली परीक्षा के संदर्भ में जानकारी दी। शिक्षक प्रदीप कुमार वर्मा ने सभी उपस्थित शिक्षकों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई और उपस्थिति बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। नोडल संकुल धर्मेंद्र ने शिक्षण विधियों और टीएलएम के प्रयोग पर बल दिया। बैठक में शशि देवी, रमनजीत कौर, शाहे खुबा, प्रदीप वर्मा, लक्ष्मी यादव, विद्या सागर, मुबबसिर हुसैन, संतोष, कल्पना, जन्मेजय, विनय, संदीप, देवानंद, ज्योति, विशाल, अभिषेक, प्रीति, विकास, सौरभ, चंद्रभूषण, गगनदीप, अरविंद, अशोक, अकील मुहम्मद, रजनी, मधुलिका, प्रवीन, कृपा, शिव कुमार, खुशनाज, ज्ञानेंद्र, पंकज, संदीप, नंद किशोर, मो हाशिम आदि उपस्थित रहे। बीईओ संजय शुक्ल ने बैठक के दौरान सभी शिक्षकों को आर्थिक रूप से पिछड़े बच्चों के लिए कपड़ा बैंक की स्थापना कर, उन्हें सर्दी से बचने हेतु कपड़े देने का सुझाव दिया, जिसका सभी उपस्थित शिक्षकों ने स्वागत किया और जल्द ही ऐसे प्रयास कर पिछड़े परिवारों के बच्चों को मदद करने की बात कही। बैठक के दौरान हसनपुर, द्दगपालखेड़ा, करौंदी और रामपुर गढ़ौवा विद्यालय की सराहना खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा की गई।

कथित-प्रचारित 'बुलडोजर न्याय' पर हथौड़ा चला कर सुप्रीम कोर्ट ने शासनों-प्रशासनों को दो टूक संदेश दिया है कि एक्शन के नाम पर मनमानी नहीं चलेगी। देश में संविधान है, कानून का राज है, किसी को भी असंवैधनिक-गैरकानूनी कुछ भी करने का हक नहीं है। सरकारें अपनी विफलता बुलडोजर कार्रवाई की छतरी से नहीं ढंक सकतीं। गत 13 नवंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने बुलडोजर कार्रवाई से घर छीनने को मौलिक अधिकार का हनन बताया। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि 'कार्यपालिका केवल इस आधार पर किसी व्यक्ति के मकान नहीं गिरा सकती कि वह किसी अपराध में आरोपी या दोषी है। कार्यपालिका किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहरा सकती। केवल आरोप के आधार पर, यदि कार्यपालिका किसी व्यक्ति की संपत्ति को ध्वस्त करती है, तो यह कानून के शासन पर हमला होगा। कार्यपालिका जज बनकर आरोपी व्यक्ति की संपत्ति को ध्वस्त नहीं कर सकती। इमारत को ध्वस्त करने वाले बुलडोजर का भयावह दृश्य अराजकता की याद दिलाता है। हमारे संवैधानिक लोकाचार इस तरह के कानून के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देते।' सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह से संपत्तियां ध्वस्त करने वाले सरकारी अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। सुप्रीम फैसले व दिशानिर्देश के सभी पहलुओं पर रोशनी डालता आजकल का यह अंक...

हथौड़ा सही, पर कई प्रश्न अनुत्तरित

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

न्यायालय ने किसी मामले की जांच करने या सरकार पर वित्तीय जुर्माना आदि का आदेश नहीं दिया है। उप्र बुलडोजर को अंतरराष्ट्रीय विषय बनाने वालों की इसमें भूमिका रही और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने 128 मामलों की एक रिपोर्ट न्यायालय में सौंपी थी। न्यायालय ने अलग से उस रिपोर्ट की सत्यता जानने की कोशिश नहीं की। इसका अर्थ हुआ कि उच्चतम न्यायालय किसी राज्य या कुछ घटना विशेष पर फोकस करने की बजाय भविष्य के लिए एक व्यापक मार्गनिर्देश देना चाहता था और उसने वही किया है। उच्चतम न्यायालय हमारे संविधान का अभिभावक तथा कानूनी संवैधानिक मामले पर न्याय का अंतिम शब्द है। इसलिए उसके हर फैसले का सम्मान होना ही चाहिए।

उच्चतम न्यायालय द्वारा बुलडोजर कार्रवाई पर दिए गए फैसले की गहराई से समीक्षा करने की आवश्यकता है। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने बुलडोजर कार्रवाई के संदर्भ में कुछ कानूनी, संवैधानिक तो कुछ मानवीय सिद्धांत और आधार देकर मार्गनिर्देश निर्धारित किया है। इसमें क्या करना और क्या न करना दोनों बातें समाहित हैं। हालांकि गहराई से देखें तो इसमें ऐसा कुछ नहीं है जो पहले से बने बनाए नियमों से बिल्कुल अलग हों। दूसरे, भले भाजपा सरकारों के विरोधी इससे उत्साहित हों लेकिन फैसले में किसी सरकार का नाम लेकर निंदा या तीखी टिप्पणी नहीं की गई है। यह बात सही है कि इसमें उत्तर प्रदेश की तीन घटनाओं का विशेष जिक्र है।

इस कारण आप अर्थ निकाल सकते हैं कि यह योगी आदित्यनाथ सरकार के विरुद्ध है। यहां भी न्यायालय ने किसी मामले की जांच करने या सरकार पर वित्तीय जुर्माना आदि का आदेश नहीं दिया है। उप्र बुलडोजर को अंतरराष्ट्रीय विषय बनाने वालों की इसमें भूमिका रही और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अपनी टीम से 128 मामलों की जांच कर उसकी एक रिपोर्ट न्यायालय में सौंपी थी। न्यायालय ने अलग से उस रिपोर्ट की सत्यता जानने की कोशिश नहीं की। इसका अर्थ हुआ कि उच्चतम न्यायालय किसी राज्य या कुछ घटना विशेष पर फोकस करने की बजाय भविष्य के लिए एक व्यापक मार्गनिर्देश देना चाहता था और उसने वही किया है। उच्चतम न्यायालय हमारे संविधान का अभिभावक तथा कानूनी संवैधानिक मामले पर न्याय का अंतिम शब्द है। इसलिए उसके हर फैसले का सम्मान होना ही चाहिए।

शक्ति के दुरुपयोग की अनुमति नहीं

अगर न्यायालय कह रहा है कि संसदीय लोकतंत्र में शासन के तीनों अंगों की शक्ति विभाजित है, जो काम न्यायपालिका का है वह न्यायपालिका करे और कार्यपालिका अपनी भूमिका निभाये तो इसमें कुछ भी गलत नहीं। प्रशासन और पुलिस नियम कानून का पालन करने, करवाने तथा न्यायपालिका द्वारा दिए गए आदेश का पालन करने के लिए हैं। इसके परे वह जो कुछ भी करेगा अपराध होगा। न्यायालय ने कहा कि हमारे संवैधानिक आदर्श किसी भी शक्ति के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देते। यह कानून के शासन व न्यायालय द्वारा सहन नहीं किया जा सकता। जब किसी विशेष संरचना को अचानक से ध्वस्त करने के लिए चुना जाता है, और उसी प्रकार की बाकी संपत्तियों को नहीं छुआ जाता, तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि असली उद्देश्य कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि बिना सुनवाई के दंडित करना था। ये पंक्तियां अवश्य भाजपा सरकारों के व्यवहार को कटघरे में खड़ा करती हैं। यहां भी किसी घटना का आधार नहीं है। आइए, फैसले के कुछ मुख्य बिंदुओं को देखें। एक, किसी आरोपी या गुनहगार के घर को सिर्फ इस आधार पर नहीं गिराया जा सकता कि उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि है। ऐसी कार्रवाई गैरकानूनी और असंवैधानिक है। दो, कार्यपालिका न्यायाधीश बनकर यह फैसला नहीं कर सकती कि वह दोषी है या नहीं। इस तरह की कार्रवाई लक्ष्मण रेखा पार करने जैसी है। तीन, कानून का शासन यह सुनिश्चित करता है कि लोगों को पता हो कि उनकी संपत्ति को बिना किसी उचित कारण के नहीं छीना जा सकता। चार, बिना पूर्व कारण बताओ नोटिस के कोई ध्वस्तीकरण नहीं किया जाना चाहिए, जो या तो स्थानीय नगरपालिका कानूनों में दिए गए समय के अनुसार या सेवा की तारीख से 15 दिनों के भीतर (जो भी बाद में हो) प्रस्तुत किया जाना चाहिए। नोटिस के 15 दिनों तक कोई कार्रवाई नहीं होगी। नोटिस पंजीकृत डाक के माध्यम से मालिक को भेजा जाएगा और संरचना के बाहरी हिस्से पर भी चिपकाया जाएगा।

आरोपी को सुनवाई का अवसर मिले

नोटिस में अवैध निर्माण की प्रकृति, विशेष उल्लंघन का विवरण और ध्वस्तीकरण के आधार शामिल होने चाहिए। अथॉरिटी को आरोपी को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देना होगा। ऐसी बैठक के विवरण को रिकॉर्ड किया जाएगा। अंतिम आदेश में नोटिसधारी के पक्षों को शामिल किया जाना चाहिए, ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी और ध्वस्तीकरण रिपोर्ट को डिजिटल पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाना चाहिए। पांच, किसी भी निर्देश के उल्लंघन से अवमानना कार्यवाही शुरू की जाएगी। अधिकारियों को सूचित किया जाना चाहिए कि यदि ध्वस्तीकरण में निर्देशों के उल्लंघन में पाया जाता है, तो ध्वस्त की गई संपत्ति की पुनर्स्थापना के लिए अधिकारियों को व्यक्तिगत खर्च पर जवाबदेह ठहराया जाएगा। साथ ही हर्जाने का भुगतान भी करना होगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसका स्वागत किया है और राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी ने भी।

कानून की परिधि में रहकर कार्य करें

कानून का शासन तभी माना जाएगा जब सरकारें, पुलिस प्रशासन सब कानून की परिधि में रहकर अपनी भूमिका निभाएं। लेकिन नियम कानून के परे जाकर भूमिका निभाने वाले के लिए पहले भी कड़े कानून हैं। आम आदमी के संदर्भ में तो न्यायालय की बातें मानवीयता की परिधि में एक सीमा तक सही है। निस्संदेह, आम नागरिक के लिए अपने घर का निर्माण कई वर्षों की मेहनत, सपने और आकांक्षाओं का परिणाम होता है। न्यायालय का यह मत बिल्कुल सही है कि घर, सुरक्षा और भविष्य की एक सामूहिक आशा का प्रतीक है और अगर इसे छीन लिया जाता है, तो अधिकारियों को यह साबित करना होगा कि यह कदम उठाने का उनके पास एकमात्र विकल्प था। प्रश्न है कि आरोपी बड़ा बाहुबली और माफिया हो, जिसने पहले से इस तरह जमीन हड़प कर कब्जे कर अवैध निर्माण किया हो और अपनी ताकत की बदौलत प्रशासन को नकारता हो तो उसके साथ क्या किया जाए? क्या किसी साधारण पुलिस वाले या प्रशासनिक अधिकारी की हैसियत थी कि वह एक समय अतीक अहमद की अवैध संपत्ति पर नोटिस चिपकाए? क्या मुख्तार अंसारी के विरुद्ध यह संभव था? ऐसे ही हर राज्य, हर जिले में अपराधी, माफिया, बाहुबली हैं जिन्होंने निजी संपत्ति तो छोड़िए सरकारी जगहों पर कब्जे कर अवैध निर्माण किए हैं। अनेक मामले न्यायालय के संज्ञान में आते हैं। पैसे और पहुंच की बदौलत वे बचे रहते हैं। उनसे अगर अपराध हुआ हो तो क्या पहले के नोटिस के आधार पर उनकी ऐसी संपत्तियों का ध्वस्तीकरण नहीं होना चाहिए? बुलडोजर की भूमिका केवल अवैध निर्माण को गिराने में ही नहीं, बड़े अपराधियों, माफियाओं के अंदर भय पैदा करने की भी है। सार्वजनिक प्रचार के साथ उनकी करोड़ों, अरबों की संपत्ति ध्वस्त होती हैं तो दूसरे के अंदर भी भय पैदा होता है कि वह अपराध करके बच नहीं सकते।

कई राज्यों में दिखा सकारात्मक प्रभाव

न्यायालय ने इस पर विचार नहीं किया है। उत्तर प्रदेश के साथ कई राज्यों में इसका सकारात्मक प्रभाव दिखा है। दूसरे, स्वयं न्यायालय ऐसे अपराधियों के मामलों का निपटारा निश्चित समय पर क्यों नहीं करती? इसका भी उत्तर उच्चतम न्यायालय के आदेश में नहीं है। पूरे देश में माफियाओं, बाहुबलियों, अपराधियों, राजनेताओं से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों आदि ने सांठ-गांठ कर संपत्तियों पर अवैध कब्जे और उसी तरह से निर्माण किए हुए हैं। बेशक, शक्ति के दुरुपयोग की इजाजत नहीं दी जा सकती। ये बातें केवल सरकारों पर लागू होंगी या कानून तोड़ने वाले बाहुबलियों पर भी? न्यायालय के अनुसार किसी आरोपी का घर गिराना उसके परिवार को सामूहिक दंड जैसा है। यानी एक के अपराध की सजा हम दूसरे को नहीं दे सकते। क्या अवैध कब्जा करने वालों के परिवारों की जानकारी के बिना ऐसा होता है? क्या उसमें परिवार की कोई भूमिका नहीं होती? न्यायालय के अनुसार आवास का अधिकार अनुच्छेद 21 के अंदर एक मौलिक अधिकार है और निर्दोष व्यक्ति को इससे वंचित करना पूरी तरह असंवैधानिक होगा। रात के समय महिलाओं और बच्चों को सड़कों पर घसीटते देखना सुखद दृश्य नहीं है। यहां फिर दोहराना होगा कि एक आम व्यक्ति के संदर्भ में यह बिल्कुल सही है लेकिन दूसरों के परिवारों को दिन रात रोने को विवश करने और कब्जा करने वालों ने भी इनके मौलिक अधिकार को ध्वस्त किया। वैसे उच्चतम न्यायालय ने इसके पूर्व अंतरिम आदेश में कहा था कि फैसला आने के पहले कोई विध्वंस न किया जाए। ध्यान रखिए, उसमें भी सड़कों और फुटपाथों पर बने धार्मिक स्थलों आदि को ध्वस्त करने पर रोक नहीं लगाई थी। यह भी कहा था कि सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी धार्मिक संरचना को सड़कों के बीच में नहीं बनना चाहिए, क्योंकि यह सार्वजनिक मार्गों में रुकावट डालता है। हमारे देश में एक्टिविस्टों का एक बड़ा समूह स्वयं इतना शक्तिशाली है कि ऐसे किसी विषय को देश और उसके बाहर बड़ा मुद्दा बना देता है। यही लोग बुलडोजर कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद तक ले गए जिसने कहा कि सजा के तौर पर किए जाने वाले विध्वंस को मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जा सकता है। उन्होंने कहा था कि ऐसी कार्रवाइयां अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ अपमानजनक व्यवहार के रूप में हो सकती हैं और यह राज्य के हाथों जमीन हड़पने का एक तरीका बन सकती हैं। जैसा ऊपर बताया गया कि एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसी संस्था ने 128 मामलों की अपनी जांच रिपोर्ट उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत की। यह संगठन कभी अपराधियों द्वारा हड़पी गई जमीन और अवैध निर्माणों की रिपोर्ट लेकर उच्चतम न्यायालय और संयुक्त राष्ट्र नहीं जाते। साफ है कि ऐसे अनेक बिंदु हैं जिन पर आगे स्पष्टीकरण अनावश्यक है। फैसले पर पुनर्विचार याचिका आए तो शायद आगे न्यायालय अपने मत का विस्तार करे।

बुलडोजर इंसाफ के खौफ पर लगाम

सुप्रीम फैसला

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ स्तंभकार

सर्वोच्च न्यायालय ने अपराधियों पर सख्ती बरतने के बहाने उनके भवनों को बुलडोजर से नेस्तनाबूद कर देने की कार्रवाई पर रोक लगाने का बहुप्रतीक्षित फैसला सुनाया है। न्यायालय का निर्देश है कि बिना कानूनी प्रक्रिया का पालन किए किसी के घर, दफ्तर या दुकान पर मनमानी कार्रवाई कर बुलडोजर नहीं चलाया जा सकता है। इस तरह की कार्रवाई को अदालत ने असंवैधानिक करार देते हुए इसे अराजकता का पर्याय माना है। शीर्ष न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने फैसले में कहा है कि 'हमारे संविधान में इस निरंकुश और मनमानी कार्रवाई के लिए कोई स्थान नहीं है। किसी भी आरोपित, यहां तक कि दोषी की संपत्ति भी कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बगैर ध्वस्त नहीं की जा सकती है। कार्यपालिका, न्यायाधीश बनकर किसी को दंडित नहीं कर सकती। घर का होना व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। यह आश्रयस्थल किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि कई व्यक्तियों के उपयोग में आता है। अतएव इस तरह की कार्यवाही अराजकता तो है ही, साथ ही संविधान में मिले मौलिक अधिकार का उल्लंघन भी है।' कुछ सालों से देखने में आ रहा है कि बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में शामिल लोगों के घरों को तात्कालिक असंतोष को ठंडा करने के लिए बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया जाता है।

नैतिक दायित्व की अनदेखी

इस सिलसिले में न्यायालय ने दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। हालांकि ये सब दिशा-निर्देश पहले से ही राज्य सरकारों की भू-राजस्व संहिता में शामिल हैं। लेकिन कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार अपने कानूनी एवं नैतिक दायित्व की अनदेखी कर सरकार की मंशा पूर्ति में लग जाते हैं। साफ है, यदि अधिकारियों को नेताओं की मंशा के अनुरूप ही काम करना है तो फिर उनके योग्य होने का क्या मतलब है? विधायिका से कार्यपालिका को इसीलिए पृथक रखा है कि वे किसी मंत्री या नेता की इच्छापूर्ति की बजाय कानून का सम्मान करते हुए निर्णय लें। किंतु अहम पद पर बने रहने और कदाचरण से धन कमाने के मोह में वे अपनी योग्यता और कानूनी प्रक्रिया को खूंटी पर टांग कर अंधे होकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को अंजाम देने में लग जाते हैं। जबकि ये अधिकारी भी कर्मचारी आचरण संहिता की शपथ लेकर अपने पद का दायित्व ग्रहण करते हैं। ऐसे में ये दावे थोथे साबित होते हैं कि प्रजातांत्रिक गणतंत्र में जनता को राजनीतिक स्वतंत्रता और विधि सम्मत मौलिक अधिकार दिलाने का काम कार्यपालिका का है।

विधायिका-कार्यपालिका में गठजोड़

हकीकत यह है कि आपातकाल के बाद से विधायिका और कार्यपालिका का कुछ ऐसा गठजोड़ बनता चला गया कि जनमत की ताकत रखने वाली जनता, एक नए तरह की परतंत्रता की शिकार होती चली गई। इसीलिए अदालत ने दिए निर्देश में कहा है कि कोई भी कार्रवाई करने से पहले 15 दिन का नोटिस और आरोपी को सुनने का मौका जरूर देना चाहिए। ये प्रावधान पहले से ही राज्यों की भू-राजस्व संहिताओं में है। इस संदर्भ में होता यह है कि तहसील अदालतें

पिछली तारीख में नोटिस निकालने और उसे प्रभावित पक्षकार के घर पर चिपकाने की कार्यवाही तहसील दस्तावेजों में दिखा देते हैं। तहसील और अनुविभागीय न्यायालयों का हाल यह है कि कंप्यूटरीकरण हो जाने के बाद भी इन अदालतों में विचाराधीन मामलों का तारीखवार दस्तावेजीकरण नहीं है। इसलिए जो राजस्व अदालतें कहती हैं, उसे ही ईश्वर की वाणी मानने पर पक्षकार को मजबूर होना पड़ता है। हालांकि इस फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया में प्रशासन और निकायों के लगभग सभी अधिकारी शामिल होंगे। मसलन अब कोई एकाधिकारी फैसला लेकर किसी के घर को नहीं तोड़ पाएगा। वाकई ऐसा होता है तो राज्य सरकारों के मुखियाओं के निरंकुश आचरण पर अंकुश लगेगा। लेकिन देखने में आता है कि उन मकानों को भी ध्वस्त किया गया है, जिनके पास भूखंड की रजिस्ट्री होने के साथ निकाय प्रशासन की भवन निर्माण की अनुमतियां भी हैं। भवन मालिक के पास बिजली और नल के कनेक्शन तो हैं ही, वह सालों से नगर पालिका या नगर निगम में संपत्ति कर भी जमा कर रहा है। यहां तक कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भी निर्मित घरों को वन भूमि पर निर्मित होना बताकर मध्यप्रदेश में तोड़ा गया है। यहां सवाल उठता है कि आखिर यह कौन तय करेगा कि भूमि वन विभाग की है या राजस्व की? इस बाबत यह भी उल्लेखनीय है कि यदि कोई मकान सरकारी भूमि पर बनाया गया है तो उस पर निर्माण के दौरान ही कार्रवाई क्यों नहीं की गई? जबकि पटवारी और निकाय कार्यालयों के पास भूमि के मूल दस्तावेज होते हैं। यदि इस फैसले में जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दंड का प्रावधान कर दिया जाए तो सरकारी भूमि पर कब्जा कर मकान बनाने का काम आरंभ ही नहीं होगा। सच्चाई यह है कि जब सरकारी भूमि पर मकान बनता है तो जिम्मेदार कर्मचारी पैसा लेकर आंख मूंद लेते हैं। ध्वस्तीकरण के सिलसिले में यह भी विचारणीय बिंदु है कि अनेक मकान किसी एक अपराधी की संपत्ति नहीं होती है। उसके भाई-बहन और माता-पिता भी उस संपत्ति के वैध हिस्सेदार होते हैं। ऐसे में बलात्कारी जैसे अपराधी के साथ-साथ परिजन भी निर्दोष होते हुए दंड में भागीदार हो जाते है।

हालांकि अदालत ने साफ किया है कि अवैध निर्माण और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया पूरी करके की जा सकती है। वैसे भी यह जरूरी है कि जो पेशेवर अपराधी खौफ दिखाकर सरकारी और निजी जमीनों पर कब्जा कर बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर लेते हैं, वे इस कार्रवाई से बचने का मार्ग न निकाल लें। ऐसे अपराधियों को जब संवैधानिक-राजनीतिक सुरक्षा कवच मिल जाता है तो अपराध की भूमिका उनके राजनीतिक और आर्थिक साम्राज्य के विस्तार का कारण बनते जाते हैं। ऐसे लोगों को राजनेता एवं राजनीतिक दल न केवल संरक्षण देते हैं, बल्कि उसे विधानसभा या लोकसभा का टिकट देकर महिमामंडन भी करने का काम करते हैं।

नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत पर जोर

उत्तर प्रदेश के बाहुबली अतीक अहमद के सिलसिले में यही सब देखने में आ चुका है। उसने प्रयागराज में बीते साल कथित रूप से दो पुलिसकर्मियों की हत्या करा दी थी। न्यायिक सिद्धांत का तकाजा तो यही है कि एक तो अपराधी को समय पर ऐसी सजा मिले, जो फरियादी को न्याय लगे? यह स्थिति न्याय व्यवस्था पर भरोसा करने की बजाय, उसे खूंटी पर टांग देने का काम करती है। शायद इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के तीनों अंग विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियों के पृथकीकरण के सिद्धांत और अभियुक्त के कानूनी व संवैधानिक अधिकारों की व्याख्या करते हुए नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत पर जोर दिया है।

धीमी न्यायिक प्रक्रिया की सूरत बदले

दो टूक

उमेश चतुर्वेदी

राजनीतिक समीक्षक

उलेमा बनाम उत्तरी दिल्ली मामले पर सुनवाई के दौरान जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणियां की थीं, इस मामले पर आए फैसले का अंदेशा उनसे हो गया था। सबसे बड़ी अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई पर पूरी रोक तो नहीं लगाई है, लेकिन इसके लिए मानक प्रक्रिया बनाकर राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के हाथ जरूर बांध दिए हैं। जैसा कि हर फैसले के साथ होता है, हर पक्ष अपने-अपने हिसाब से इसकी व्याख्या कर रहा है। बुलडोजर कार्रवाई के विरोधी इसे अपनी जीत बता रहे हैं, वहीं इसके समर्थक इस फैसले में भी कार्रवाई के लिए राह खोज रहे हैं। इससे साफ है कि बुलडोजर न्याय सिर्फ स्पीड ब्रेकर का काम करेगा, ब्रेक नहीं बन पाएगा। स्पीड ब्रेकर तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार को धीमी करता है, जबकि ब्रेक गाड़ी को रोक देता है। यह फैसला भी कुछ इसी तरह का साबित होने जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है। बरसों तक धीमी गति से चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का एक संदेश यह है कि ताकतवर चाहे तो अपराध करने के बावजूद प्रक्रिया की घुमावदार गलियों में न्यायिक फैसले को टाल सकता है। यह टालना इतना लंबा हो जाता है कि एक तरह से वह न्याय से इनकार हो जाता है। देर है पर अंधेर नहीं की सोच भी उबाऊ और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के सामने धुंधली होते-होते समाप्त हो जाती है। इसी घुमावदार और लंबी-धीमी न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प बनकर बुलडोजर न्याय उभरा था। राज्य सरकारों ने इसे त्वरित न्याय के साधन के तौर पर अपनाया और देखत ही देखते अपराधमुक्त समाज की चाहत रखने वालों की चहेती बन बैठीं।

त्वरित न्याय की अनदेखी

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई की मानक प्रक्रिया बनाते हुए त्वरित न्याय के विकल्प या न्यायिक प्रक्रिया की घुमावदार गलियों को पूरी तरह नजरंदाज किया है। यही वजह है कि इस फैसले के बाद अपराधियों, गैंगस्टरों, असामाजिक तत्वों के उभार को लेकर समाज का एक बड़ा वर्ग सशंकित हो उठा है। देश की सबसे बड़ी अदालत को इस सामाजिक सोच का भी संज्ञान लेना चाहिए और उसे भी आश्वस्त करना चाहिए कि उसके फैसले के बावजूद किसी गैंगस्टर, कोई अपराधी या समाज विरोधी तत्व को कमजोर तबके की जमीनों या सार्वजनिक संपत्तियों के अतिक्रमण का हक नहीं मिल जाता। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तरी दिल्ली के एक मामले में दिया है। अप्रैल 2022 में दिल्ली के जहांगीर पुरी में रामनवमी के दिन निकले जुलूस पर एक मस्जिद और उस इलाके से जुलूस पर हुए पथराव और उससे उपजी हिंसा के जवाब में दिल्ली नगर निगम ने अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई को सांप्रदायिक कार्रवाई का रंग देते हुए सेकुलर धारा के दिग्गज वकीलों मसलन कपिल

सिब्बल आदि ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। भले ही सुनवाई इसी मामले की होती रही, लेकिन संदेश ऐसा गया मानो उत्तर प्रदेश की सरकार की बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सुनवाई हो रही है।

मुस्लिम तबके पर कार्रवाई की छवि

इसकी वजह यह रही कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने त्वरित न्याय के विकल्प के रूप में इसे अपनाया। तब उत्तर प्रदेश सरकार को लेकर यह छवि बनाई गई कि वह सिर्फ अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम तबकों के खिलाफ ही बुलडोजर कार्रवाई करती है। जबकि योगी सरकार ने माफिया और गैंगस्टर विकास दुबे के खिलाफ भी इस कार्रवाई को किया। भदोही के गैंगस्टर और राजनेता विजय मिश्रा की अतिक्रमित संपत्तियां भी उत्तर प्रदेश सरकार के निशाने पर रहीं। लेकिन प्रचारित सिर्फ अतीक, मुख्तार जैसे मुस्लिम दबंगों और माफियाओं की संपत्तियों के खिलाफ हुई कार्रवाई ही की जाती रहीं। इस बहाने त्वरित न्याय के इस सरकारी विकल्प को हिंदुत्ववादी राजनीतिक दर्शन का न सिर्फ नतीजा बताया गया, बल्कि यह नैरेटिव स्थापित कर दिया गया। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर आम लोगों के बीच संदेश यही गया है कि यह उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ आया फैसला है।

योगी सरकार रही निशाने पर

बुलडोजर कार्रवाई को लेकर प्रचारित सिर्फ योगी सरकार रही, लेकिन अवैध अतिक्रमण के खिलाफ आंध्र, तेलंगाना, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि सरकारों ने भी की है। एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले सात सालों में करीब 2000 अवैध अतिक्रमण बुलडोजर कार्रवाई में ढहाए गए। जिनमें सबसे ज्यादा करीब डेढ़ हजार मामले उत्तर प्रदेश के ही रहे। लेकिन उत्तर प्रदेश में इस कार्रवाई से खाली कराई गई जमीनों को कमजोर तबकों में बांटा भी गया है। करीब सात सौ ऐसे प्लॉट बांटे जा चुके हैं। बुलडोजर के शोर में इसकी चर्चा कम हो रही है।

निश्चित तौर पर इससे किसी को इनकार नहीं होगा कि किसी अपराधी के अपराध की कीमत उसका पूरा परिवार अपना घर गंवाकर क्यों चुकाए। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि अपराधी का घर भी अगर सरकारी तंत्र के निशाने पर बना तो उसकी वजह उसका नियमित निर्माण नहीं, बल्कि अवैध कब्जा और अतिक्रमण रहा। अब तक बुलडोजर कार्रवाई नगर पालिकाओं, पंचायती राज संस्थाओं का विषय रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसमें स्थानीय जिला अधिकारी और उप जिलाधिकारी भी शामिल हो गए हैं। बुलडोजर कार्रवाई जिला अधिकारी की निगरानी में होगी और इसके लिए मान्य प्रक्रिया और नोटिस आदि देने की अवधि का पूरी तरह निर्वहण किया जाएगा। इस प्रक्रिया की राह में एक बाधा नजर आ रही है। जिला प्रशासन समय और काम के बोझ का बहाना बनाकर ऐसी कार्रवाइयों को टाल सकता है। अपराधी, माफिया और गैंगस्टर कब्जे करते रहेंगे, और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के चलते वे अपने अपराध को प्रकारांतर से स्थापित करते रहेंगे। इससे त्वरित न्याय प्रक्रिया की वैकल्पिक सोच भी कुंद होगी। ऐसे में न्याय की उम्मीद भी धुंधली होगी। ऐसे में आपराधिक तत्वों पर लगाम लगा पाना आसान नहीं रह जाएगा। बुलडोजर कार्रवाई वाले फैसले के बाद खास नैरेटिव को बढ़ावा मिलेगा। यह धारणा बलवती होगी कि सिर्फ हिंदुत्ववादी सरकारें ही बुलडोजर न्याय पर भरोसा करती हैं। सुप्रीम कोर्ट तो खुद मीडिया के बीच इस छवि के खंडन के लिए जा नहीं सकता। इसलिए दूसरे जिम्मेदार तंत्र को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। लगे हाथों सुप्रीम कोर्ट को न्याय में देरी और उसकी धीमी प्रक्रिया को भी नियंत्रित करने की कोशिश करनी चाहिए। अगर न्यायिक प्रक्रिया सामान्य तरीके से चलती रहे तो शायद ही कोई होगा, जो बुलडोजर कार्रवाई को ही न्याय का अंतिम विकल्प माने।

संक्षेप

खाना बनाते समय तेल में लगी आग

बच्ची पर गिरी खोलती तेल की कढ़ाई, मासूम गंभीर रूप से झुलसी

अमन लेखनी समाचार

हापुड़, हापुड़ के कोतवाली देहात क्षेत्र के अर्जुन नगर मोहल्ले में शनिवार देर शाम खाना बनाते समय कढ़ाई के तेल में अचानक आग लग गई। खाना बना रही महिला ने घबराकर शोर मचाया और अपने पति को आवाज दी। आग बुझाने की जल्दबाजी में पति ने कढ़ाई को घर से बाहर फेंक दिया। घर से बाहर फेंकी गई कढ़ाई का खोलता तेल पड़ोस में खेल रही छह वर्षीय बच्ची पर गिर गया। बच्ची के पैरों पर तेल गिरने से वह बुरी तरह झुलस गई। हादसे के बाद मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई और तुरंत बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। मोहल्ले में लोगों की भीड़ जमा हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। सीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह मामला खाना बनाते समय तेल में आग लगने का प्रतीत होता है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर ली है और आगे की कार्रवाई की जाएगी। झुलसी हुई बच्ची को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर उसकी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची की हालत स्थिर है, लेकिन झुलसने के कारण उसे कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ेगा।

रामपुर को मिली डीएपी रैंक

किसानों को अब नहीं होगी खाद की किल्लत, ओवर रेटिंग पर सख्त कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

रामपुर, रामपुर जिले में अब किसानों को डीएपी खाद की कमी नहीं होगी, क्योंकि जिला प्रशासन को 1194 मीट्रिक टन डीएपी खाद की एक रैक प्राप्त हो गई है। इस रैक की सप्लाई जिले की सभी सहकारी समितियों पर की जा रही है, जिससे किसानों को आसानी से खाद मिल सकेगी। जिले में कुल 256 प्राइवेट दुकानों पर 1242.87 मीट्रिक टन एन.पी.के. खाद उपलब्ध है, और 57 दुकानों पर 250 मीट्रिक टन डी.ए.पी. खाद का स्टॉक मौजूद है। जिला कृषि अधिकारी कुलदीप सिंह राणा ने बताया कि फास्फेटिक खाद की सप्लाई किसानों की जरूरत के मुताबिक पूरी कर दी गई है, ताकि रबी सीजन में गेहूं, राई, सरसों, चना, मसूर और मटर जैसी फसलों की बुआई में कोई दिक्कत न हो। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी जरूरत के अनुसार ही खाद खरीदें और खरीदते वक्त अपना आधार कार्ड और जमीन की खतौनी खाद विक्रेता को दिखाएं। इससे खाद की सही आपूर्ति और उचित वितरण सुनिश्चित होगा। यदि कोई दुकानदार खाद को निर्धारित कीमत से ज्यादा कीमत पर बेचे या खाद के साथ कम चलन वाली कोई चीज जबरन बेचे, तो किसानों को 9411454827 और 9458846182 नंबरों पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई है। ऐसे दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्मैक सहित एक अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। 42वीं वाहिनी एसएसबी बहराइच-क के सतत पर्यवेक्षण एवं दिलीप कुमार, उप कमांडेंट (प्रचालन) के निर्देशन में सीमा चौकी रुपैडिहा के कार्मिको तथा उ.प्र. पुलिस रुपैडिहा के साथ एक संयुक्त गश्त निकाली गयी। गश्त के दौरान समय लगभग 2315 बजे सीमा स्तम्भ संख्या 651/11 से लगभग 50 मीटर भारतीय क्षेत्र में एक युवक भारत से नेपाल की तरफ जाता दिखा। तभी अचानक युवक ने गस्ती दल को देखकर पीछे मुरकर भागने लगा। गस्ती दल द्वारा भागते हुए व्यक्ति का पीछा कर करीब 20 से 30 कदम पर जाकर घेरकर पकड़ लिया। पकड़े गये व्यक्ति से नाम पता तथा भागने का कारण पुछा गया तो व्यक्ति ने अपना नाम अपना नाम रौनक सोनी, पिता- मनोज कुमार सोनी, उम्र-19 वर्ष, गाँव -मिहिपुरवा, थाना- मोतीपुर, जनपद- बहराइच (उत्तर प्रदेश) बताया। भागने का कारण बताया की मेरे पास स्मैक है जिसको नेपाल बेचने ले जा रहा था तथा पकडे जाने के डर से भाग रहा था। पकड़े गए व्यक्ति रौनक सोनी की जमा व तलाशी सहायक कमांडेंट राज कुमार के सामने लेने पर उसके पहने जींसपैंट की बायीं जेब में काली पन्नी में लिपटा सफेद पन्नी में रखा 50 ग्राम स्मैक (हेरोइन) बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान रौनक ने बताया कि उसे बहराइच में अज्ञात भारतीय व्यक्ति से स्मैक मिली थी तथा उसे किसी अन्य नेपाली अज्ञात व्यक्ति को देना था, ताकि वह इसे कम मात्रा में बेचकर जल्दी तथा आसानी से पैसा कमा सके। बरामद 50 ग्राम स्मैक के साथ अभियुक्त को माननीय सर्वोच्च न्यायलय व मानवाधिकार के निदेर्शों का पालन करते हुए गिरफ्तार किया गया तथा सभी आवश्यक औपचारिकता विधिवत रूप से पूर्ण करने के उपरांत अग्रिम कार्यवाही हेतु थाना-रूपैडीहा जनपद बहराइच को सुपुर्द किया गया।

विशाल कलश शोभा यात्रा के साथ श्रीमद भागवत महापुराण कथा आरम्भ

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र) डोडहर गाँव में यजमान लखपति दुबे के निवास स्थान पर श्रीमद भगवत महापुराण कथा यज्ञ के आरम्भ से पूर्व मंगलवार सुबह विशाल कलश शोभा यात्रा निकाली गयी।कलश शोभा यात्रा रिहंद जलाशय से पूजन अर्चन के बाद 151 महिलाओं संग जल उठा कर बाजे गाजे के साथ कलश लेकर आयोजित अस्थल पर पहुँची जहां विधिविधान से पुरोहित ब्राह्मणों द्वारा कलश स्थापित कराया गया।इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कथा वाचिका पूज्य प्राची जी के मुखारबिंद से सात दिवसीय श्रीमद भागवत महापुराण कथा का रसपान प्रति दिन शाम तीन बजे से शाम सात बजे तक कराया जाएगा। कार्यक्रम का प्रसारण कथा वाचिका पूज्य प्राची जी के यूट्यूब चैनल के माध्यम से करने की तैयारी है।

चौकी इंचार्ज बाबागंज को दी गई भावभीनी विदाई

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। पुलिस अधीक्षक बहराइच वृंदा शुक्ला के द्वारा जिले में शांति व्यवस्था कायम रखने एवं ऐसे पुलिस कर्मी जो तीन वर्ष का कार्यकाल एक ही स्थान पर पूरा कर चुके है उनका स्थानांतरण किया गया है।जिसके तहत बाबागंज चौकी प्रभारी राम गोविन्द वर्मा का स्थानांतरण राजा बाजार चौकी (कोतवाली नानपारा) हो जाने पर मंगलवार कों एक विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे स्थानीय ग्राम प्रधान, पत्रकारगण, जनप्रतिनिधि ग्रामीण उपस्थिति रहे।चौकी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस स्टॉफ सहित अन्य लोगों द्वारा फूल-माला व स्मृतिचिन्ह देकर चौकी प्रभारी श्री वर्मा कों भवभीनी विदाई दी। इस मौके पर सभी की आंखे नम हो गईं। अपना दल (एस) नानपारा विधानसभा अध्यक्ष पेशकार पटेल ने कहा कि राम गोविन्द वर्मा ने एक मिसाल कायम की। श्री वर्मा एक मिलनसार व्यक्तित्व की वजह से रूपईडीहा थाना क्षेत्र में जन समुदाय का उनसे विशेष लगाव रहा है।उनके प्रशासनिक योगदानो कों याद किया। अपने विदाई समारोह से अभिभूत होकर श्री वर्मा ने उपस्थिति सभी लोगों का आभार करते हुए कहा कि जरुरतमंद लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस मौके पर नवनियुक्त चौकी इंचार्ज अनिल यादव, आरक्षी भीष्म यादव, नरेंद्र गुप्ता, सुनील निषद, सुनील यादव सहित रियाजुद्दीन अंसारी, प्रमोद पटेल, विमल गुप्ता, मंजू देवी, लक्ष्मण पटेल, निर्मल वर्मा, राकेश वर्मा, संजय साहू, लालता प्रसाद वर्मा, अमित पांडे, कमल प्रसाद वर्मा आदि उपस्थिति रहे।

अपराध निरोधक समिति द्वारा सेवा पथ पुस्तक देकर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण को किया गया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति लखनऊ कमलेश श्रीवास्तव चेयरमैन के दिशा निर्देश में भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र नगर पंचायत रुपईडीहा उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति कमेटी ने बहराइच पहुंचकर अपर पुलिस अधीक्षक से शिष्टाचार भेंट व मुलाकात कर सेवा पथ पुस्तक देकर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण को सम्मानित किया। आपको बताते चलें कि केशव कुमार मोर्य जिला सचिव/जेल विजिटर जिला कारागार बहराइच, शेर सिंह कसौधन उपाध्यक्ष जिला बहराइच के कुशल नेतृत्व में दुर्गा प्रसाद तिवारी अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) बहराइच को सेवा पथ पुस्तक देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राजीव अग्रवाल नगर सचिव रुपईडीहा, रमेश कुमार सिंह बाबागंज ब्लॉक संयोजक उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति उपस्थित रहे।

तिगरी मेला समाप्त, लगा गंदगी का अंबार

- घाट किनारे कचरा ही कचरा, सफाई बनाए रखने के प्रशासनिक दावे फेल

अमन लेखनी समाचार

अमरोहा, अमरोहा में गंगा किनारे छह दिनों तक भव्यता से चला तिगरी गंगा मेला तो संपन्न हो गया, लेकिन अपने पीछे श्रद्धालुओं ने गंदगी का ऐसा ढेर छोड़ गया, जिससे अब तिगरी के घाट बदहाल स्थिति में हैं। लाखों श्रद्धालु गंगा किनारे आस्था की डुबकी लगाने आए, लेकिन आस्था का सम्मान भूलते हुए घाटों को गंदगी में तब्दील कर चले गए।

हालात यह हो गए हैं कि घाटों के आसपास भीषण दुर्गंध फैल रही है, और गंदगी का यह अंबार धीरे-धीरे गंगा में समा रहा है। तिगरी के ग्रामीण अब गंदगी से उठ रही बदबू से परेशान हो चुके हैं। प्रशासन द्वारा सफाई व्यवस्था को लेकर किए गए तमाम दावे खोखले साबित हो रहे हैं। मेला स्थल पर फैली गंदगी से ग्रामीणों को संक्रामक बीमारियों का डर सताने लगा है। इस बार मेले में सफाई व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने बड़े-बड़े दावे किए थे। डीएम निधि गुप्ता के निर्देश पर घाटों पर अस्थाई शौचालय बनवाए गए थे और हर जगह डस्टबिन भी लगाए गए थे। नगर पालिका को विशेष रूप से साफ-सफाई की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। लेकिन मेला समाप्त होते ही यह व्यवस्थाएं ध्वस्त हो गईं। घाटों पर जगह-जगह गंदगी का ढेर लगा हुआ है, और मां गंगा का आंचल भी मैला हो गया है। इस बीच, धनौरा एसडीएम चंद्रकांता ने कहा है कि मेला स्थल पर जल्द ही सफाई अभियान चलाकर व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासनिक दावों को जमीन पर उतरते देखने के लिए उन्हें और इंतजार करना होगा।

लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में अजंता क्लब ने जीता मैच

अमन लेखनी समाचार

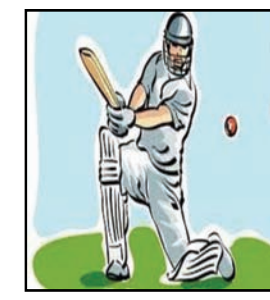

रुपईडीहा, बहराइच। शिवाजय क्रिकेट एकेडमी द्वारा रूपईडीहा के रामजानकी ग्राउंड पर चल रही लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का पांचवां मैच रविन्द्र नाथ क्लब और अजंता क्लब के बीच खेला गया। जिसमें टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए अजंता क्लब ने निर्धारित 25 ओवर में 7 विकेट के खोकर 196 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जिसमें कुणाल यादव 66 अनंत सिंह 41 ध्रुव गुप्ता 30 शानदार पारी खेली। रविन्द्र नाथ क्लब की तरफ से दिव्यांशु और शोभित ने 2, 2 विकेट हासिल किए।जवाब में उतरी रविन्द्र नाथ क्लब की टीम 21 ओवरो में सिर्फ 89 रन बनाकर आल आउट हो गई। सूरज ने सर्वाधिक 29 रनों का योगदान दिया। अजंता की तरफ से बोलिंग करते हुए त्रिपुरेश ने 4 आकाश गोंड ने 2 वत्सल और ध्रुव ने 2 विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच रहे त्रिपुरेश मिश्र जिन्होंने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए। मैन ऑफ द मैच पुरस्कार एकेडमी फाउंडर अजय मिश्रा द्वारा दिया गया। अजय मिश्रा ने बताया कल का मैच शिवाजय क्रिकेट एकेडमी और रूपईडीहा इलेवन के बीच खेला जाएगा।इस अवसर पर एकेडमी के सह संस्थापक शिवेंद्र मिश्रा जुबेर अहमद फारूकी शैलेश जायसवाल, रिंकू सोनी रोशन सिंह आदि मौजूद रहे।

अमेठी में लेंटर मशीन और कार की टक्कर

तीन लोग गंभीर, मशीन पलटने से हुआ हादसा

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी के संग्रामपुर थाना क्षेत्र में मिश्रौली गांव के पास देर रात एक तेज रफ्तार कार ने लेंटर मशीन और ट्रैक्टर को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे मशीन पलट गई। उस पर बैठे तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब लेंटर डालने के बाद मशीन और ट्रैक्टर वापस लौट रहे थे।

ट्रैक्टर पर करीब 10 लोग बैठे थे। ट्रैक्टर जैसे ही केपीएस स्कूल के पास पहुंचा, पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के कारण लेंटर मशीन बीच सड़क पर पलट गई। हादसे में तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें जीतलाल (पुत्र मोहन), दिलीप (पुत्र पल्लन), नीरज का इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत एम्बुलेंस के माध्यम से अमेठी सीएचसी पहुंचाया गया। वहां सभी का इलाज चल रहा है।। पुलिस हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। ट्रैक्टर और कार को कब्जे में ले लिया गया है। घटना की जांच जारी है। जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की संभावना है।

सिद्धार्थनगर में चलाया गया चेकिंग अभियान

अवैध हूटर, सायरन, काली फिल्म को निकलवाया, यातायात के बारे में जागरूक किया

अमन लेखनी समाचार

सिद्धार्थनगर, सिद्धार्थनगर में यातायात माह के 16वें दिवस पर यातायात पुलिस ने वाहनों पर लगे अवैध हुटर, सायरन और काली फिल्म के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। साथ ही यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रवर्तन कार्यवाही भी की गई।

इस दौरान पुलिस ने आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रचार-प्रसार भी किया। एसपी प्राची सिंह के आदेश और एएसपी सिद्धार्थ के निर्देशन में, सीओ यातायात सुजीत राय के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात टीएसआई अमरेश कुमार और उनकी टीम ने यातायात माह के तहत हाईडिल तिराहा, सिद्धार्थ तिराहा, पेट्रोल पम्प तिराहा, स्वामी विवेकानंद चौक से सनई चौराहा, साड़ी तिराहा जैसे प्रमुख स्थानों पर पीए सिस्टम के माध्यम से यातायात नियमों की जानकारी दी। इस दौरान दो पहिया वाहनों पर तीन सवारियां, बिना हेलमेट वाहन चलाना, चार पहिया वाहनों में काली फिल्म का प्रयोग, सीट बेल्ट नहीं लगाना, अवैध हुटर और सायरन का प्रयोग करने वाले वाहनों के खिलाफ चालान किया गया। साथ ही सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों और अतिक्रमण को हटवाते हुए कुल 155 वाहनों का चालान किया गया और 1,70,500 रुपये का शमन शुल्क वसूला गया। यातायात प्रभारी अमरेश कुमार ने सभी वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी यातायात नियमों का पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में भारी कमी लाई जा सकती है। उन्होंने वाहन चलाते समय सीट बेल्ट और हेलमेट के महत्व को भी रेखांकित किया।

धौलाना में पुरानी रंजिश के चलते चली गोली

गंभीर हालत में युवक अस्पताल में भर्ती, धमकी देकर आरोपी फरार

अमन लेखनी समाचार

धौलाना, हापुड़ के पिलखुवा क्षेत्र के गांव लाखन में रात को पुरानी रंजिश के चलते एक युवक को गोली मारकर घायल कर दिया गया। गंभीर हालत में घायल को नगर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव लाखन निवासी मनजीत ने बताया कि मनीष राणा से पुरानी रंजिश चल रही है। को उसका भाई अमित मंदिर के पास खजूर के पेड़ के पास बैठा हुआ था। पुरानी रंजीश को लेकर मनीष और अनुज वहां पहुंचे और अमित के साथ गाली गलौज करने लगे थे। अमित के इसका विरोध किया तो आरोपियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जिस वजह से अमित के दाहिने हाथ की हथेली और दाहिने कंधे के पीछे पीठ पर दो गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घायल को गंभीर हालत में हापुड़ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां चिकित्सक उसका उपचार कर रहे हैं। वारदात की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रघुराज सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

7600 लोगों को वितरित किया गया चश्मा

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, सुल्तानपुर के जयसिंहपुर अंतर्गत सेमरी बाजार में लोकाधिकार सेवा समिति द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों का पहले निशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया। फिर जरूरतमंदों को चश्मा भी वितरित किया गया। इस मौके पर 7600 लोगों को निःशुल्क चश्मा वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने संस्था के लोगों के इस प्रयास का सराहना किया। तहसीलदार हृदयराम तिवारी ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर संस्था के कार्यकताओं को प्रोत्साहित किया। लोकाधिकार सेवा समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ला ने कहा कि प्रतिवर्ष संस्था द्वारा हर वर्ग के लोगों को बिना भेदभाव के निशुल्क कंबल व चश्मा का वितरण किया जाता है। राष्ट्रीय महासचिव प्रभाकर शुक्ला ने बताया कि बीस सालों से लगातार कंबल वितरण का कार्यक्रम किया जा रहा है। इसके अलावा मुफ्त नेत्र प्रशिक्षण व चश्मा वितरण का कार्य भी किया जा रहा है। हमारे द्वारा ब्लड डोनेशन कैम्प भी लगाया जा रहा है। अब तक संस्था द्वारा अब तक निर्धन असहाय 932 लड़कियों की शादियां कराई गई हैं। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख राहुल शुक्ला, लोकाधिकार सेवा समिति के सचिव प्रभाकर शुक्ला, गुड्डू उपाध्याय समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सुल्तानपुर राजकीय मेडिकल कॉलेज का रियलटी चेक

आकस्मिक रास्तों पर लटक रहा ताला, पुरानी बिल्डिंग में ऊपर से नीचे आने-जाने का एक ही रास्ता

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, सुल्तानपुर में राजकीय मेडिकल कॉलेज भी किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। पुरानी बिल्डिंग में ऊपर से नीचे आने-जाने का एकमात्र रास्ता है, दूसरा रास्ता बीते कई वर्षों से बंद है। ओपीडी बिल्डिंग के मेन गेट पर बाइकों का जमावड़ा है। नई बिल्डिंग में महिला एवं चिल्ड्रेन वार्ड के ऊपर से नीचे आने-जाने के लिए सिर्फ एक रास्ता है और आकस्मिक रास्तों पर ताला लगा है। राजकीय मेडिकल कॉलेज में महिला एवं चिल्ड्रेन वार्ड के लिए बने नए पांच मंजिला भवन में आने जाने के आकस्मिक रास्तों को लेकर रियलिटी चेक किया गया तो ग्राउंड फ्लोर पर आने-जाने के तीन आकस्मिक निकास के दरवाजे एवं चैनल पर ताले लटकते नजर आए। इमरजेंसी एक्जिट दरवाजे के समक्ष दो पहिया वाहन खड़ी दिखी। वहीं दूसरे इमरजेंसी एक्जिट के चैनल के सामने कूड़ा गाड़ी खड़ी दिखी। इमरजेंसी एक्जिट एवं फायर एक्जिट लिखे बोर्ड केवल मुंह चिढ़ाते नजर आए। जबकि पांच मंजिला भवन में स्वास्थ्य महकमे के अधिकारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों का अक्सर आना जाना होता है, लेकिन किसी ने भी इस संदर्भ में सुध लेना उचित नहीं समझा। ऐसे में यदि कोई हादसा हो जाता है तो कैसे लोग इस भवन से निकलकर भाग सकेंगे ये बड़ा सवाल है।

संक्षेप

ऑनलाइन ठगी के दो आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, गाजियाबाद क्राइम ब्रांच ने बिहार से दो ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार किया है जो सरिया बचने के नाम पर ऑनलाइन वेबसाइट बनकर ठगी किया करते थे। गाजियाबाद के एक शख्स से इन्होंने 15 लाख रुपए की ठगी की थी। पुलिस पूछताछ में पता चला है की कोविड के समय इन्होंने ऑक्सीजन सिलेंडर बेचने और पतंजलि योगपीठ में भर्ती करवाने के नाम पर भी लोगों से साइबर धोखाधड़ी की थी। जिनके कब्जे से 29 एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं। गाजियाबाद में एडीसीपी क्राइम सच्चिदानंद ने बताया कि गाजियाबाद के रहने वाले सुभाष त्यागी ने एक मुकदमा दर्ज करवाया था। जिसमें उन्होंने बताया था कि उनसे सरिया देने के नाम पर 14 लाख 90 हजार रुपए की ठगी हुई है।इसके बाद पुलिस इस मामले के खुलासे के लिए लगातार लगी थी।गाजियाबाद के थाना साइबर क्राइम को इसकी जांच दी गई थी। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने बिहार के नवादा से छोटेलाल और राजेश रंजन को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक इन लोगों ने जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाई थी। साथ यह वेबसाइट सबसे अधिक दिखे और ऊपर रहे इसके लिए यह गूगल पर ऐड भी देते थे। जब कोई आदमी इस वेबसाइट को सर्च करता था तो उसको यह झांसे में लेकर पैसे ले लेते थे।साथ ही जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड का फर्जी बिल उसको भेजा करते थे। आरोपियों के कब्जे से 29 एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं। पकड़े गए आरोपी राजेश रंजन का काम भोले वाले लोगों के अकाउंट खुलवाकर उनमें यह धोखाधड़ी वाला पैसा लेना हुआ करता था। राजेश रंजन कुल पैसों का 15 फीसदी अपने पास रखा करता था। पुलिस अभी इस मामले के तीन आरोपियों को और तलाश कर रही है।

मारपीट के चार आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, गाजियाबाद के मोदीनगर में दिल्ली- मेरठ मार्ग पर गांव सीकरी कलां में किराना व्यापारी पर फायरिंग करने व दुकान में तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में सात आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। रोडरेज की घटना में हस्तापेक्ष करने पर व्यापारी पर हमला किया गया था।एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि बाइक नम्बर व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम नवीन, निखिल व आदित्य उर्फ मोनू और अमन बताया है। उन्होंने बताया कि 12 नवम्बर को मेरठ निवासी अमन बाइक से गाजियाबाद से मेरठ आ रहा था। गांव सीकरी कलां में नितिश शमार्की दुकान के सामने दो बाइक भिड़ गई थी। नितिश ने अमन के साथ मारपीट कर दी थी। इसका बदला लेने के लिए अमन ने दस साथियों के साथ गांव सीकरी कलां आया और नितिश को मारपीट कर घायल कर दिया और फायर करके फरार हो गया। उन्होने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गाय आधारित कृषि समय की मांग

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान में गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर अनिल कुमार, त्रिपाठी, पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, सीएयू, पासीघाट ०पूर्व निदेशक, आईसीएआर अटारी, जोन श्क, गुवाहाटी और जोन श्कक, उमियाम रहे क उन्होंने अपने व्याख्यान में प्राचीन समय में प्रचलित प्राकृतिक खेती की विधि तथा वर्तमान समय में इसकी आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की। नीम के पत्तों, अदरक व काली मिर्च के उपयोग द्वारा कीट प्रबंधन तथा गाय के गोबर एवं गोमूत्र द्वारा प्राकृतिक खाद बनाने की विधि पर भी जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मुख्य वक्ता का स्वागत संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शरद कुमार मिश्रा ने किया क उन्होंने प्राकृतिक खेती के व्यावहारिक अभ्यास को बढ़ावा देने पर जोर दिया। संस्थान के समन्वयक डॉ रामवंत गुप्ता। ने कार्बन डाइऑक्साइड तथा प्राकृतिक खेती के समीकरण की चर्चा करते हुए,इस उपयोगी बताया तथा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर नूपुर सिंह ने किया ।कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षक डॉ निखिल रघुवंशी, डॉ तल्हा अंसारी, डॉ अवधेश यादव, डॉ अम्बरीष पाण्डेय आदि मौजूद थे ।बडी संख्या में बीएससी एजी एवं एमएससी एजी के छात्र छात्रों ने प्रतिभाग किया ।जिसमें से बीएससी एजी थर्ड ईयर के छात्र प्रभाकर एवं दिवाकर द्वारा पूछे प्रश्नों का जवाब मुख्य वक्ता द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अन्त मे मुख्य वक्ता डॉ अनिल कुमार त्रिपाठी ने संस्थान को शिक्षकों व विद्यार्थियों के लिए बड़ी संख्या मे कृषि से संबंधित किताबें, शोध पत्र तथा पत्रिकाएं संस्थान के निदेशक प्रो शरद कुमार मिश्र को समर्पित किया।

अनियंत्रित बाइक सवार ने युवक को मारी ठोकर, इलाज के लिए जाते समय मौत

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के डोमहर माफी निवासी एक 20 वर्ष युवक जरूरी कार्य से सहजनवा आया था। पैदल घर जाते समय सहजनवा स्थित एक ब्यूटी पार्लर के पास बाइक सवार नद ठोकर मार दिया। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था ।इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी से सहजनवा थाना क्षेत्र के डोमहर माफी निवासी अरमान पुत्र सुभान 20 वर्ष सोमवार को जरूरी कार्य से सहजनवां आया था। कार्य निपटाने के बाद पैदल हो घर के लिए जा रहा था। उसी दौरान अनियंत्रित पल्सर सवार ने उसे ठोकर मार दिया ।जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए सी एच सी सहजनवां लाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। रास्ते में ले जाते समय युवक की मौत हो गई। मृतक युवक दो भाइयों में छोटा था। बाहर रह कर मजदूरी करता था। पुलिस ने मृतक के भाई सलमान की तहरीर पर बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बारात आए युवक को पीटकर किया घायल, तीन पर केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र घुसीयापार में बारात में आए युवक को बरात पक्ष के तीन मनबढ़ो ने मारपीट कर घायल कर दिया था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीन आरोपियों की खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी से विजय कुमार यादव पुत्र भागवत यादव निवासी जगमोहर थाना मेहदावल जिला संत कबीर नगर रविवार को अपने ही गांव के बारात में शामिल होने के लिए सहजनवां थाना क्षेत्र की घुसीयापार में आया था। बारात में द्वारपूजा के दौरान गांव के तीन मनबढ़ उसे गाली गलौज करने लगे विरोध किया। तो आरोपी उसे बांस, डंडे, ईट से मारकर सिर फोड़ दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी राजन यादव, गोपाल यादव, पप्पू यादव के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

स्थगन आदेश बाद चारदीवारी तोड़ने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के खानीमपुर में स्थगन आदेश बावजूद मनबढ़ द्वारा चारदीवारी से तोड़कर गिराने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी से शत्रुजीत सिंह निवासी खानीमपुर जो गोरखपुर शहर में अपने परिवार के साथ रहते है। पांच भाई है। आपसी सहमति से भूमि का बंटवार हुआ है। अपने हिस्से के भूमि में मकान का निर्माण कराए है। शेष भूमि में चारदीवारी चलाया है। रविवार को मनबढ़ पट्टीदार ने जेसीबी लगाकर चारदीवारी को तोड़ दिया। जिस पर बंटवारे को लेकर स्थगन आदेश भी है। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कारवाई करने की मांग किया है। इस संदर्भ में प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार सिंह ने कहा की मामला संज्ञान में है। जांच कराई जा रही है।

शराब पिलाकर भूमि का करा लिया बैनामा, पीड़ित को जान को खतरा

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के लोहसडा निवासी एक व्यक्ति को जालसाज ने शराब पिलाकर उसके 37 डिसमिल भूमि का बैनामा कराने के बाद धन का भुगतान नहीं किया। पीड़िता ने आरोपी पूर्व प्रधान और इसके लड़के के खिलाफ थाने में शिकायत पर कारवाई करने की मांग किया है। मिली जानकारी से सहजनवा थाना क्षेत्र के लोहसडा निवासी अंशमाला पत्नी रामसागर देवर रणजीत यादव लोहसडा के पूर्व प्रधान के घर पर करीब छः माह से रह रहा था ।पूर्व प्रधान और उसके लड़के ने उन्हें शराब पिला कर उनसे 37 डिसमिल भूमि बैनामा करा लिया। और धन का भुगतान नहीं किया। जिससे देवर की हालत खराब और उनके मुंह से झांग निकल रहा। आशंका है कि उनके साथ जहरखोरी की गई है। जिनका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। और उनके जान का खतरा बना हुआ है। पीड़िता ने पूर्व प्रधान और उसके बेट के खिलाफ थाने में तहरीर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस संदर्भ एसओ विशाल उपाध्याय ने कहा कि शिकायत मिली है। जांच कराकर कारवाई की जायेगी।

शादी तय होने से पहले युवती नकदी और गहने लेकर फरार

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के भगौरा निवासी एक युवक को सगाई महंगी पड़ गई। जब उसने सगाई में दिए गए गहने नकदी और मोबाइल लेकर युवती प्रेमी संग फरार हो गई। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कारवाई करने की मांग किया है। मिली जानकारी से सहजनवां थाना क्षेत्र भगौरा निवासी राजेश कुमार अपने बेटे शुभम कुमार की शादी खजनी थाना क्षेत्र के एक गांव के युवती से तय किया था ।17 जनवरी को उसकी सगाई खजनी स्थित एक मैरेज में हुआ था। 4 दिसंबर को शादी थी। सगाई में 16 हजार नकद, नथिया, मोबाइल युवती को दिया था। और स्वजन से फोन पर बात होती रहती थी। 17 नवंबर से उसका मोबाइल स्वीच ऑफ चल रहा था। जानकारी की युवती नजकदी गहने और मोबाइल लेकर प्रेमी संग फरार हो चुकी है। और प्रेमी द्वारा पीड़ित के बेटे को फोन पर जान से मारने की धमकी दे रहा है ।पीड़ित ने थाने तहरीर देकर कारवाई करने की मांग किया है। इस संदर्भ में एसओ विशाल उपाध्याय ने कहा की शिकायत मिली है। दूसरे पक्ष को बुलाया गया है।

बागपत टीकरी के हिमांशु राठी ने जीते 3 स्वर्ण पदक

गांव पहुंचने पर जोरदार स्वागत की तैयारी, हिमाचल में चल रही चैंपियनशिप

अमन लेखनी समाचार

बागपत, बागपत के युवा धावक हिमांशु राठी ने हिमाचल प्रदेश में चल रही 47वीं एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतकर जनपद का नाम रोशन किया है। हिमांशु की इस शानदार सफलता पर पूरे जनपद में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोग अब उनके घर लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और उनके स्वागत की तैयारियों में जुटे हैं। बागपत के टीकरी कस्बा निवासी धावक हिमांशु राठी ने 13 से 15 नवंबर तक आयोजित हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 47वीं एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 400*4 की रिले दौड़ प्रतियोगिता में 3 मिनट 22 सेकंड का रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद उन्होंने 800 मीटर और 1500 मीटर की दौड़ में भी अलग-अलग स्वर्ण पदक जीते। हिमांशु के कोच अंकित चाम्बियाल ने बताया कि हिमांशु की कड़ी मेहनत और समर्पण ने उसे यह सफलता दिलाई है। उन्होंने बताया कि यह किसी भी धावक के लिए बड़ी उपलब्धि है और हिमांशु ने अपनी कठिन मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। हिमांशु राठी के पिता सुनील राठी ने बताया कि उनके बेटे ने इससे पहले यूपी स्टेट में चार गोल्ड मेडल, नॉर्थ जोन एथलेटिक्स में करनाल, हरियाणा में गोल्ड मेडल, और 400 मीटर नेशनल दौड़ में एक गोल्ड और एक रजत पदक भी जीते हैं। सुनील राठी का कहना है कि हिमांशु हमेशा अपनी तैयारी में व्यस्त रहता है और उसकी कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि वह इतनी बड़ी सफलता हासिल कर पाया है।

विवाहित को दहेज के लिए घर से निकाला

- पीड़िता की शिकायत पर पति सहित 6 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, गाजियाबाद के मोदीनगर में एसी, कार और दो लाख रुपए की मांग के चलते मारपीट कर विवाहिता को घर से निकाल दिया। पति ने कई बार गला दबाकर महिला को जान से मारने का प्रयास किया। मामला पुलिस तक पहुंचा तो पुलिस ने पति को हिरासत में लेकर समझाया। इसके बावजूद इसके पति एवं ससुराल पक्ष के लोगों में व्यवहार में परिवर्तन नहीं आया। पीड़िता की शिकायत पर अब मोदीनगर कोतवाली में पति सहित छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई हैं। भूपेंद्रपुरी कॉलोनी निवासी प्रीति के अनुसार, उसकी शादी 17 जनवरी 2024 को प्रवीन कुमार के साथ शादी हुई थी। ससुराल पक्ष के लोग दहेज से संतुष्ट नहीं थे। एसी, कार और दो लाख रुपये की मांग कर रहे थे। जिस कारण विवाहिता के साथ मारपीट की जाती थी। विवाहिता के बताने पर मायके पक्ष के लोग ससुराल में पहुंचे। दोनों पक्षों में बातचीत हुई, लेकिन ससुराल पक्ष के लोगों ने बेइज्जत कर विवाहिता के परिजन को भगा दिया। इसी बीच पति ने गला दबाकर महिला को जान से मारने का प्रयास किया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और पति को हिरासत में लिया गया। इसके बाद मामला मीडिएशन केंद्र गोविंदपुरी में पहुंच गया। जिस पर ससुराल वालों ने महिला को घर से निकाल दिया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की तहरीर पर पति सहित ओमवीर, चमोली देवी, राहुल, सुनील, सुमन निवासी माता कॉलोनी विजयनगर गाजियाबाद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

शौचालय में कैमरा लगा देख छात्राओं ने जमकर काटा बवाल

पुलिस ने मौके पर पहुंच कर समझाया, आरोपी के खिलाफ कार्रवाई का दिया आश्वासन

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र, सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज स्थित एक इंटर कॉलेज में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कॉलेज में छात्राओं की गोपनीयता का उल्लंघन करते हुए उनके बाथरूम की दीवार में कैमरा लगाया गया था। यह मामला तब सामने आया जब एक छात्रा ने बाथरूम में लगे कैमरे को देखा और तुरंत इसकी शिकायत कॉलेज के प्रिंसिपल से की। इसके बाद, यह खबर पूरे कॉलेज में फैल गई और हंगामे का दौर शुरू हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाल सतेंद्र कुमार राय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और छात्रों को समझाने का प्रयास किया। कोतवाल ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद छात्राएं शांत हुईं। कोतवाल ने यह भी कहा कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की जाएगी। मामले में आरोपी की पहचान धुरियां गांव निवासी अनिल मौर्य के नाबालिग बेटे के रूप में की गई है, जिन्होंने कॉलेज के बाथरूम की दीवार में कैमरा लगाया था और उसका कनेक्शन मोबाइल से जोड़ा था। इस हरकत को स्कूल की छात्राओं ने देख लिया और इसकी सूचना पुलिस को दी। मामला बढ़ने के बाद एडिशनल एसपी कालू सिंह ने बताया कि रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र में स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बह्मदेव इंटर कॉलेज से संबंधित यह प्रकरण सामने आया है। छात्राओं के प्रार्थना पत्र पर थाना रॉबर्ट्सगंज में मुकदमा अपराध संख्या 871/24 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 77 बीएनएस और 11/12 पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत किया गया है। पुलिस अब आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है। इस घटना के बाद क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म है और अभिभावकों में अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। इस तरह की घटना से छात्रों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस तरह की हरकत पहले भी की गई थी या यह पहली घटना है।

गाजियाबाद में युवक को कुचलने का प्रयास

कार सवारों ने युवतियों की स्कूटी में मारी थी टक्कर, बना रहा था आरोपियों का वीडियो

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, गाजियाबाद के थाना साहिबाबाद क्षेत्र के मोहननगर इलाके के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में दावा किया जा रहा है की बेकाबू थार चालकों ने स्कूटी पर जा रही दो युवतियों को पीछे से टक्कर मारी। उसके बाद उनसे बदतमीजी की।

इतना ही नहीं वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स जो वीडियो बना रहा था उसको कार बैक करके कुचलना की कोशिश की। कार पर नंबर प्लेट नहीं थी। पुलिस के मुताबिक इस मामले की कोई शिकायत उनको नहीं मिली है लेकिन थार गाड़ी की नीचे गिर गई नंबर प्लेट से वह आगे की विधिक कार्रवाई कर रहे हैं। गाजियाबाद के थाना साहिबाबाद इलाके के मोहन नगर क्षेत्र के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में दो युवतियां दिख रह रही है जो बता रही है कि किस तरीके से थार सवारों ने उनको पीछे से टक्कर मारी। साथ ही उनके साथ बदसलूकी की। इसके अलावा दिख रहा है कि थार में सवार लोग टक्कर मारने के बाद युवतियों से बहस कर रहे हैं। साथ ही एक शख्स जो वीडियो बना रहा था, थार चालकों ने लापरवाही से और तेजी से कार को बैक लाते हुए उस को कुचलने की भी कोशिश की। इस मामले में थाना प्रभारी साहिबाबाद योगेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इस हादसे की डायल 112, पुलिस चौकी या थाने पर कोई शिकायत नहीं मिली है। लेकिन हादसे के बाद थार कार की नंबर प्लेट नीचे गिर गई थी जिससे कार चालक और सवारों का पता किया जा रहा है। साथ ही पुलिस खुद सज्ञान लेकर आगे की विधिक कार्यवाही करेगी।

मेरठ में गाड़ी हटाने को कहने पर सिर फोड़ा

पहले गोली चलाई जो फंस गई, उसके बाद पिस्तौल की बट से किया वार

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, मेरठ के रोहटा थाना क्षेत्र के गांव किनौनी निवासी दो ट्रैक्टर चालक युवकों ने थाने मे तहरीर देते हुए बताया कि रास्ते से गाड़ी हटाने को कहने पर कार में सवार दबंग ने पिस्तौल की बट से उसका सिर फोड़ दिया। पुलिस ने कहा तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है। गांव किनोनी निवासी राहुल पुत्र बालेसर व दीपक पुत्र वीरेंद्र ने रोहटा थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा है कि वह पुरा महादेव की ओर से गन्ने से लदा ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर आ रहे थे। जब वह गांव रसूलपुर में पहुंचे तो रास्ते के बीच में एक कर खड़ी थी जब उसे हटाने के लिए कहा तो उन लोगों ने गाली गलौज शुरू कर दी। इसके बाद कार सवार दबंग कार से पिस्तौल लेकर आया और फायरिंग करने का प्रयास किया लेकिन गोली फंस गई। जिसके बाद उसने सिर में बट मार कर सिर फोड़ दिया। वहीं गांव के कुछ और लोग आ गए जिन्हें देखते हुए वह वहां से फरार हो गया। इसके बाद घायलों ने घटना की सूचना डायल 112 पर दी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएससी में भर्ती कराया। घटना की सूचना पर गांव के लोग भी पहुंच गए जिन्होंने थाने में हंगामा करते हुए कार्रवाई की मांग की। वहीं घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित की तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रोहटा थाना प्रभारी नीरज बघेल का कहना है कि पीड़ित की तहरीर प्राप्त हो गई है

किसान से चचेरे भाई ने ठगे 39 लाख

सदमे में गई किसान की जान, डीसीपी ग्रामीण के आदेश पर भोजपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, गाजियाबाद के मोदीनगर में विभिन्न प्रकार की स्कीम दिखाते हुए अपनों ने साजिश कर किसान के 39 लाख रुपये ठग लिए। ठगी का पता चलने पर किसान को गहरा सदमा पहुंचा और उसने दम तोड़ दिया। इसके बावजूद आरोपियों ने पीड़ित परिवार को रुपये लौटाना गंवारा नहीं समझा, बल्कि अब आरोपी रुपये मांगने पर आत्महत्या कर परिवार को फंसाने की धमकी दे रहा है। मृतक के पुत्र ने गुहार लगाने पर डीसीपी ग्रामीण के आदेश पर भोजपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई है। गांव पलौता निवासी पवन कुमार के अनुसार, उनकी भूमि का अधिग्रहण हुआ था। जिसमें उन्हें मुआवजा मिला था। जिसकी सूचना चचेरे भाई देवेंद्र को लग गई। पीड़ित का कहना है कि 20 अक्टूबर 2017 को देवेंद्र अपने साथ तरुण जैन, अमित जैन, रितु और विपुल सिंहल लेकर उनके पिता के पास आया। आरोपियों ने पीड़ित परिवार को कई प्रोजेक्ट बताए और भरोसा दिलाया कि फिलहाल साढ़े 39 लाख रुपये दे दीजिए, एक साल में 50 लाख रुपये मिल जाएंगे। चचेरे भाई का विश्वास करते हुए पीड़ित ने अलग-अलग खातों में रुपये ट्रांसफर कर दिए। एक साल बाद रुपये मांगे तो देवेंद्र ने 12 लाख रुपये का चेक दिया। बैंक में पैसा नहीं होने के कारण चेक बाउंस हो गया। पीड़ित का कहना है कि इसके बाद परिवार को विश्वास हो गया कि उनके साथ ठगी हो गई है। ठगी का अहसास होते हुए पवन के पिता धर्मपाल गहरे सदमे में चल गए और उनकी मौत हो गई। पीड़ित का आरोप है कि अब रुपये मांगने पर आरोपी आत्महत्या कर झूठे मुकदमे में परिवार को फंसाने की धमकी दे रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले में नामजद रिपोर्ट दर्ज कर जांच चल रही है। साक्ष्य मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षेप

मौसम ने मारी पलटी, बढी गलन कोहरे से आफत

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। सोमवार को देर रात तक चली तेज हवाओं ने मंगलवार को भोर में मौसम का मिजाज बदल दिया। मंगलवार को तड़के जहां लोगों को सर्दी का एहसास हुआ वहीं घने कोहरे से लोगों को परेशानी हुई। बगैर बारिश के कोहरा होने से किसान चिंतित है। यह कोहरा फसलों के लिए मुफीद नहीं है। बुजुर्ग किसान मोतीलाल, राधेश्याम, राम सिंह, राम आसरे, धनीराम, दयाराम, सुंदरलाल, बृजलाल आदि ने बताया कि हमने 80 से ज्यादा बसंत देखे हैं। बारिश के पूर्व पड़ने वाला कोहरा सेहत के अलावा फसलों के लिए भी नुकसानदेय है। इससे फसलों में विशेषकर दलहन, तिलहन में कीट पतंगों का इजाफा होता है। खांसी, जुखाम, बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ती है। मंगलवार को अचानक मौसम बदलने के बाद सर्दी का आगमन हो गया है। लोग गर्म कपड़ों में बदन को ढकने लगे हैं।

नहर का पानी खेतों में घुसने से किसान परेशान, सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

मौदहा। नहर का पानी खेतों में भरने से नुकसान होते देख किसानों ने उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर नहर का पानी बंद कराने की मांग की गयी है ताकि उनके खेतों में बोई गई फसले बच सकें। तहसील क्षेत्र मौदहा के ग्राम कम्हरिया बांध के अंदर से महरका माइनर पर पानी चल रहा है। नहर में पानी ओवरफ्लो होने से नहर का पानी निकलकर खेतों में भर रहा है जिससे बोई गई फसलों का नुकसान होने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। इस समस्या को लेकर गांव के समसुद्दीन, बदरुद्दीन, मनोज, बच्चू, नजीरूद्दीन सहित अन्य किसानों ने उप जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर उक्त नहर का पानी बंद करने की मांग की है। उन्होंने खेतों में पानी भर जाने से होने वाले नुकसान की जांच करवाकर मुवाअजा देने की भी मांग की है। नहर का पानी ओवरफ्लो होने से करीब 500 बीघा खेती प्रभावित हुई है।

महिलाओं युवाओं एवं कमजोर वर्गों के लिए सहकारिता क्षेत्र में अनेकों अवसर : डॉ प्रवीण सिंह जादौन

- सहकारी संवाद कार्यक्रमः जालौन में सहकारिता के नए आयामों पर चर्चा

अमन लेखनी समाचार

जालौन। सहकारिता सप्ताह के अवसर पर क्रय-विक्रय सहकारी समिति लिजालौन द्वारा सहकारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ उत्तर प्रदेश शासन के निदेशक, डॉ. प्रवीण सिंह जादौन, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके नेतृत्व में सहकारिता के महत्व और इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों पर गहन चर्चा की गई।

डॉ. जादौन ने अपने संबोधन में सहकारिता को समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं के सशक्तिकरण का एक प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाएं रोजगार के अवसर प्रदान करने, आत्मनिर्भरता बढ़ाने और आर्थिक सुदृढ़ता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

विशिष्ट अतिथि अपर जिला सहकारी विकास अधिकारी जालौन हरिदास सिंह यादव ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, माननीय अमित शाह, के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र में हो रहे ऐतिहासिक परिवर्तनों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ह्न अमित शाह जी के दूरदर्शी नेतृत्व में सहकारिता ने एक नई दिशा प्राप्त की है। यह क्षेत्र अब न केवल आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता को भी बढ़ावा दे रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे क्रय विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड जालौन के अध्यक्ष राजा सिंह सेंगर ने कहा कि उत्तर प्रदेश के सहकारिता मंत्री, जेपीएस राठौर, द्वारा राज्य में सहकारी समितियों के कंप्यूटरीकरण और उनके प्रभावी संचालन के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए, उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जिसने प्रारंभिक कृषि ऋण सहकारी समितियों (पैक्स) के लिए मॉडल बायलॉज को अपनाया है। सहकार भारती के प्रदेश सह संयोजक सतीश सिंह सेंगर ने कहा कि राज्य में पंचायत स्तर पर बहुउद्देशीय सहकारी समितियों, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना की जा रही है। इसके अतिरिक्त, पैक्स के माध्यम से प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र और पेट्रोल-डीजल पंपों का संचालन भी किया जा रहा है। इन प्रयासों ने सहकारी क्षेत्र को नए आयाम दिए हैं और इसे सशक्त बनाया है।

सहकारी संवाद कार्यक्रम में जिला केंद्रीय सहकारी उपभोक्ता भंडार लि जालौन के अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह राजावत ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से आर्थिक और सामाजिक सुदृढ़ता प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। इसमें न केवल सहकारी समितियों के सदस्यों ने भाग लिया, बल्कि स्थानीय समुदाय के लोगों ने भी सहकारिता के लाभों और इसके प्रभाव को करीब से समझा।

कार्यक्रम ने भूमि विकास बैंक जालौन के प्रबंधक जमील अंसारी ने कहा कि सहकारी आंदोलन को मजबूती प्रदान करने और इसे जमीनी स्तर तक ले जाने के लिए एक मंच तैयार किया। इस पहल से सहकारिता के माध्यम से स्थानीय स्तर पर विकास और आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में नए अवसर खुले हैं। कार्यक्रम में सचिव धर्मेंद्र सिंह स्थानीय सहकारी समितियों के सदस्य श्याम प्रेम बिहारी पंकज सक्सेना राजू विश्वकर्मा नीरज गुर्जर श्रवण श्रीवास्तव सहित जनप्रतिनिधि में उपस्थित रहे। इस दौरान सहकारिता के महत्व और समाज में इसके प्रभावों पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संवाद सत्र आयोजित किया गया। उपस्थित लोगों ने सहकारिता के माध्यम से समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अपने विचार साझा किए।

एक माला के लिए तरस गई रानी लक्ष्मीबाई की मूर्ति

अमन लेखनी समाचार

भरुआ सुमेरपुर। देश की आन बान शान के लिए सब कुछ न्योछावर करने वाली वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की मूर्ति एक फूल माला को तरस गई। जयंती पर समाज सेवियों ने इस मूर्ति पर एक फूल माला भी नहीं चढ़ाई है।

सुमेरपुर कस्बे के बांदा मार्ग में स्टेशन रोड के तिराहे पर चार दशक पूर्व रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा स्थापित करके इस तिराहे का नाम रानी लक्ष्मीबाई तिराहा रखा गया था। तब से यह स्थान इसी नाम से कस्बे में पहचाना जाता है। मंगलवार को इस वीरांगना की जयंती थी। रात दिन समाज सेवा का दंभ भरने वालों ने इस मूर्ति में मंगलवार को एक माला भी नहीं चढ़ाई। इतना ही नहीं यहां पर जो राष्ट्रीय ध्वज लगा हुआ है। वह फट गया है इसको भी किसी ने बदलना मुनासिब नहीं समझा है। यहां से निकलने वाले लोग पूरे दिन इस मूर्ति को देखकर इसकी उपेक्षा की चर्चा करते रहे।

नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी दिनेश आर्य ने बताया कि शासन से किसी तरह के निर्देश नहीं प्राप्त हुए हैं। साथ ही मुझे मालूम भी नहीं है कि आज रानी लक्ष्मीबाई जयंती है। इस वजह से नगर पंचायत की ओर से यहां कुछ भी नहीं कराया गया है।

इटरा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब लाखों भक्तों ने किए दर्शन

- प्रतिवर्ष बढ़ती है बजरंगबली की पाताली मूर्ति
- सुबह शाम आरती के समय बदलता है मूर्ति का रंग

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस साल भी सुमेरपुर क्षेत्र के इटरा आश्रम के मेले का आगाज मंगलवार को हुआ। लाखों की तादाद में पहुंचे लोगों ने दर्शन पूजन करके प्रसाद अर्पित किया। आस्था है कि यह मूर्ति सुबह शाम रंग बदलने के साथ प्रतिवर्ष चावल के बराबर बढ़ रही है। इस पाताली मूर्ति के दर्शन के लिए वर्ष पर्यंत लोग यहां आते हैं। बताते हैं कि मूर्ति जुताई करते समय हल से टकराई थी। बहुत गहराई तक खुदाई के बाद जब मूर्ति का अंत नहीं मिला। तब इस मूर्ति की उसी स्थान पर पूजा अर्चना शुरू कर दी गई। अब यहां भव्य मंदिर बन चुका है।

इटरा के बजरंगबली आश्रम का मेला प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा के बाद प्रथम मंगलवार से शुरू होकर तीसरे दिन विशाल भंडारे के साथ संपन्न होता है। आज मेले का आगाज होते ही तड़के से दर्शन पूजन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। शाम तक करीब एक लाख लोगों ने दर्शन पूजन किया था। आस्था है कि गर्भ ग्रह में विराजमान बजरंगबली की प्रतिमा का सुबह शाम रंग बदलता है। करीब सवा सौ वर्ष पूर्व बियाबान जंगल के मध्य में मिली यह मूर्ति जुताई के दौरान हल की कुसिया से टकराने के बाद मिली थी। तब इसको निकालने के लिए 30 फीट गहरी खुदाई हुई थी। अंत नहीं मिलने पर बाद में मूर्ति को उसी स्थान पर पूजा अर्चना शुरू कर दी गई। इस पाताली मूर्ति की ख्याति दूर-दूर तक है। यही कारण है कि मेले में बुंदेलखंड के अलावा रूहेलखंड के कई जिलों के लोग हिस्सा लेते हैं। आश्रम के महंत स्वामी वेदानंद सरस्वती उर्फ बलराम दास महाराज ने बताया कि यह पाताली मूर्ति प्रतिवर्ष एक चावल के बराबर बढ़ रही है। पूर्व में यहां मुराद पूरी होने पर कस्बे के सेठ लालमन गुप्ता ने छोटा सा मंदिर बनवाया था। अब यहां पर विशाल मंदिर निमार्णाधीन है। राजस्थान से लाए गए लाल रंग के पत्थरों से मंदिर का निर्माण कराया गया है। इसका निर्माण पिछले एक दशक से चल रहा है। मंदिर के महंत ने बताया कि बुधवार को विशाल दंगल होगा। इस दंगल में दिल्ली हरियाणा पंजाब राजस्थान नेपाल बिहार मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश के नामीगिरामी पहलवानों के मध्य रोमांचक कुश्ती होगी। गुरुवार को विशाल भंडारे के साथ साधु संतों की विदाई के बाद मेले का समापन होगा।

क्रीडा व्यायाम से बच्चों की शिक्षा दक्षता होती मजबूत : उमेश त्रिवेदी

ब्लॉक स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दमखम

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड शिक्षा क्षेत्र अंतर्गत बलदेव की पाठशाला इंटर कॉलेज में एकदिवसीय ब्लॉक स्तरीय परिषदीय विद्यालयों की क्रीडा प्रतियोगिता आयोजित की गई आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे अमौली खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे एवं बलदेवरी पाठशाला इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य दुर्ग विजय सिंह राय ने मां सरस्वती की प्रतिमा में पूजा अर्चना करते हुए दीप प्रज्वलन के साथ प्रतियोगिता शंखनाद किया कार्यक्रम का संचालन परिषदीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुलखेड़ा के शिक्षक उमेश कुमार त्रिवेदी एवं निर्णायक की भूमिका व्यायाम शिक्षक आदित्य पाण्डेय एवं महावीर वर्मा ने सकुशल रूप से निभाई कार्यक्रम का शुभारंभ नन्हे मुन्ने बच्चों के कंठ से निकली मां सरस्वती की वंदना से हुआ जहां कोकिलकंठ को सुनकर मौजूदा अधिकारियों समेत आम जनमानस में तालियो की गड़गड़ाहट से सभी बच्चों एवं प्रतिभागी बच्चों का मैदान में दमखम दिखाने के लिए स्वागत किया प्रतियोगिता में 50 100 200 तथा 400 मीटर रेस संपन्न हुई जहां कंपोजिट विद्यालय भिखनीपुर के यशवीर सिंह कंपोजिट विद्यालय गोहरारी की रश्मि अंशिका यादव कंपोजिट विद्यालय अमौली के आकाश कंपोजिट विद्यालय बंबुरिहापुर के आकाश अमौली प्रथम की हिमांशी ने बाजी मारी वही कंपोजिट विद्यालय बंबुरिहापुर के आकाश सिंह तथा कंपोजिट विद्यालय गोहरारी छात्रा रश्मि चैंपियनशिप विजेता रही इसी प्रकार लंबी कूद में आकाश सिंह रश्मि के साथ जूनियर स्तर के प्रांशु तथा यामिनी ने भी दिलचस्प करतब दिखाते हुए विजय हासिल की बालक संवर्ग में कंपोजिट विद्यालय देवरी बुजुर्ग के प्रांशु तथा बालिका वर्ग में कंपोजिट विद्यालय रूसिया की यामिनी ने चैंपियनशिप हासिल की क्रीडा प्रतियोगिता के समापन में खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे एवं खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार पाल समेत अन्य शिक्षकों द्वारा बच्चों को प्रमाण पत्र तथा पुरस्कार प्रदत्त किए गए कार्यक्रम के चलते खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार पाल एवं खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे ने बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की चेतावनी देते हुए क्रीडा की ओर मार्गदर्शित किया वही संचालक उमेश कुमार त्रिवेदी ने जीवन में बच्चों के खेल कूद को प्राथमिकता देते हुए बताया कि खेलकूद से बच्चों की शैक्षिक बुद्धिमता का प्रसार होता है वही शिक्षा के साथ-साथ उत्तम स्वास्थ्य के लिए कुछ समय निकालकर खेल को योग आदि करने के लिए बच्चों को प्रेरित किया इस मौके पर मुख्य रूप से बेसिक शिक्षा विभाग के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष शिक्षक योगेंद्र सिंह गोली विशिष्ट बीटीसी वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष शिक्षक डॉक्टर प्रशांत पांडे शिक्षक संघ के पूर्व ब्लॉक मंत्री दयाराम गौतम नागेश प्रताप सिंह वीरेंद्र सचान प्रदीप शुक्ला कमल किशोर सुभा देवी अंबे सचान ममता देवी मिनाक्ष देव कुलदीप तिवारी शैलेंद्र सचान रामनाथ मोहम्मद राशिद मयंक कटियार अनुज दुबे समेत समूचे विकासखंड के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे

राजस्व वसूली में विद्युत कर्मियों से हुई अभद्रता

अवर अभियंता ने प्रशासन से न्याय की लगाई गुहार

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत विद्युत उपकेंद्र अमौली के अवर अभियंता हरिकेश ने नजदीकी पुलिस चौकी अमौली में लिखित तहरीर प्रस्तुत करते हुए बताया कि विद्युत विभाग की टीम राजस्व वसूली एवं चेकिंग अभियान में उपकेंद्र क्षेत्र के सैठी गांव गई जहां मौजूद विद्युत कर्मी रोहित सौरभ ललित राम सिंह के साथ गांव के कई लोगों ने अभद्रता करते हुए मारपीट करने की फिराक में जुट गए सूचना पाकर पहुंचे अवर अभियंता को देख कई नवयुवकों ने घर से लाठी डंडे निकाल जान से मारने की धमकी दे डाली नजदीकी पुलिस चौकी में तीन नाम जद को समेत कई अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई जहां चौकी प्रभारी आलोक कुमार तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मामला संज्ञान में है जांच पड़ताल के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

सत्तावनी समर की शेरनी महारानी लक्ष्मीबाई की जयन्ती पर किये श्रद्धा सुमन अर्पित

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। आजादी के संघर्ष मे वीरों की भूमिका के मद्देनजर सुमेरपुर कस्बे में वर्णिता संस्था के तत्वावधान मे विमर्श विविधा के अन्तर्गत जिनका देश ऋणी है के तहत सत्तावनी समर की शेरनी महारानी लक्ष्मी बाई की जयन्ती पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए संस्था के अध्यक्ष डा. भवानीदीन ने कहा कि बडी मुश्किल से चमन में लक्ष्मी बाई जैसी वीरांगना बहुत कम परिलक्षित होती हैं। देश के प्रति इनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। इनका प्रारंभिक नाम मणिकर्णिका और मनु था। इनका जन्म 19 नवम्बर 1828 को वाराणसी में मोरोपंत और भगीरथी बाई के घर हुआ था। बालपन में इनकी मां की मौत के बाद इनका बिठूर मे बाजीराव पेशवा के यहां पालन पोषण हुआ था। बिठूर मे ही इन्होंने शस्त्र शिक्षा ली। इनकी चंचलता के कारण इन्हें छबीली भी कहा जाता था। कम उम्र मे इनका विवाह झांसी के राजा गंगाधर राव से हो गयी थी। 1853 मे राजा गंगाधर राव की मौत के बाद इन्होंने दमोदर राव को गोद लिया था। ये देश की पहली महिला नेत्री थीं, जिन्होंने स्त्री सेना का गठन किया था। गोरों द्वारा राज्य हडप करो की नीति के अन्तर्गत झांसी को भी साम्राज्य मे मिलाने की कोशिश का रानी ने पुरजोर विरोध किया लेकिन दुल्हाजू और पीर अली जैसे दो गद्दारों के कारण रानी की झांसी मे हार हुई। वह कालपी और ग्वालियर पहुंची। देशी रियासतों के राजाओं ने रानी का साथ नहीं दिया। बाद में रानी और गोरों के बीच ग्वालियर के निकट कोटा सराय में इन्होंने बहादुरी के साथ युद्ध किया। 18 जून 1858 को मात्र 29 वर्ष की उम्र में यह वीरगति को प्राप्त हुई। इनका गोरों से संघर्ष और इनकी वीरता आज भी याद की जाती है। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान सिद्धा, प्रेम, महावीर, रिचा, भोलू, आशुतोष, मुकेश, संतोष, दयाराम सोनकर, अजय, दस्सी आदि लोग शामिल रहे।

कांग्रेसियों ने आइरन लेडी इन्दिरा गाँधी को श्रृद्धा सुमन अर्पित किया

अमन लेखनी समाचार

मौदहा। भारत रत्न स्वर्गीय इन्दिरा गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेसियों ने देश के प्रति उनके योगदान को याद कर श्रृद्धासुमन अर्पित किये। अनुसूचित प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आशाराम अहिरवार के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेसियों ने राष्ट्र की आइरन लेडी से मशहूर श्रीमती इन्दिरा गाँधी को श्रृद्धा सुमन अर्पित करते हुये उनके चित्र में पुष्प अर्पित किये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष हिमांशु सैनी ने कहा कि श्रीमती गांधी ने अपने जीवन को पूरी तरह राष्ट्र को समर्पित कर दिया। आजादी आन्दोलन के दौरान कई बार जेल यात्रा की। प्रधानमंत्री के रूप में पाकिस्तान के दो खंड करते हुए बांग्लादेश की जननी बनी। पंजाब को विखन्डित न होने देने, देश की एकता व अखण्डता के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त त्रिपाठी, उपाध्यक्ष महेश सिंह राना, तबीब खान प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, सफकत उल्ला राजू, विवेक चन्द्र, शैलेन्द्र प्रजापति, हाजी समसुद्दीन, सौरभ सैनी, हाजी डा. शाहिद अली, बब्बन आदि उपस्थित रहे।

खनिज अधिकारी- ट्रांसपोर्टर प्रकरण के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना

- कतिपय लोगों द्वारा यह न्यूज / बात प्रसारित की जा रही है कि खनिज अधिकारी ट्रांसपोर्टर प्रकरण में जांच कमेटी द्वारा खनिज अधिकारी को क्लीन चिट दे दी गई है जो की सही नहीं है।

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। इस संबंध में अवगत कराना है की जांच कमेटी द्वारा जांच की कार्रवाई वर्तमान में प्रचलित है। जांच कमेटी द्वारा प्रकरण के विभिन्न पहलुओं पर अभी भी जांच की जा रही है। जांच में दोनों पक्षों को भी सुना जाएगा व उनसे साक्ष्य लिए जाएंगे। जांच कमेटी को जांच के दौरान प्रारंभिक कुछ तथ्य सामने आए थे जिसके बारे में बताया गया था किंतु जांच कमेटी द्वारा जांच पूरी न हो पाने के कारण अभी तक कोई भी रिपोर्ट नहीं दी गई है। अतः स्पष्ट किया जाता है कि उक्त प्रकरण में वर्तमान में जांच प्रचलित है। अभी तक किसी को भी किसी भी प्रकार की न तो क्लीन चिट दी गई है, ना ही कही पर जांच रिपोर्ट सौंपी गई है।

प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक की जन जागरूकता चौपाल सम्पन्न

- चौपाल मैं ग्रामीणों को बताए बैंक मैं खाते खोलकर योजनाओ के लाभ

अमन लेखनी समाचार

ललितपुर/ललितपुर तहसील के ग्राम पंचायत राजवारा मैं खुली नवीन शाखा प्रथमा यू पी ग्रामीण बैंक द्वारा जन जागरूकता चौपाल लगाई गई चौपाल मैं ग्रामीणों ने भाग लिया नाबार्ड के वित्तीय साक्षरता अधिकारी जय राम साहू ने बताया की बैंक मैं अधिक से अधिक लोग खाता खुलवाएं और जो ग्रामीण क्षेत्रों सीएससी द्वारा जमा निकासी ने राहत पाने और खाता खोलकर जीवन ज्योति बीमा जिसका लाभ लेने 18वर्ष से 50वर्ष तक की आयु होना अनिवार्य है जो व्यक्ति की साधारण मृत्यु पर दो लाख रुपया परिवार को आर्थिक मदद दी जाती है वहीं सुरक्षा बीमा योजना मैं साल का बीस रुपया जमा कर योजना का लाभ दिया जाता है जिसमें दुर्घटना मैं व्यक्ति की मृत्यु होने पर परिवार को दो लाख की आर्थिक सहायता दी जाती है ग्राम पंचायत मैं लगाई गई चौपाल मैं अटल पेंशन योजना के साथ साथ बैंक से कई प्रकार से कर्ज लेकर लोग अपना व्यापार शुरू कर सकते है चाहे वह डेरी लोन हो है कार लोन मकान लोन शिक्षा लोन सहित आरडी और एफडी के माध्यम से खाता धारक ब्याज ले सकता है इस मौके पर वित्तीय साक्षरता अधिकारी जय राम साहू, बैंक शाखा प्रबंधक अमित शर्मा, सतेंद्र खरे कैशियर, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि महेश कुमार राय, पूरन कुशवाहा, राज पंथ, श्रीपत राय, मिट्ठू रैकवार, विक्रम बुंदेला, राजपाल सिंह बुंदेला, रोहित परिहार, छोटू, नरेश कुमार, राजाबाबू यादव, बब्बू पाल, बंटी राजा, रूपेश कुमार, धर्म सिंह कुशवाहा सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

महारानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर बड्स एन ब्लूम्स स्कूल के बच्चों ने निकाली भव्य रैली

अमन लेखनी समाचार

गुरसरांय, झांसी। मंगलवार 19 नवंबर 2024 को नगर गुरसराय में महारानी लक्ष्मीबाई के जन्म जयंती के अवसर पर बड्स एन ब्लूम्स स्कूल के बच्चों द्वारा भव्य रैली निकाली गई जिसमें बच्चों ने गर्म जोशी के साथ भाग लिया। महारानी लक्ष्मीबाई के सम्मान में नारे लगाते हुए बच्चे रेंज चौराहा से मोदी चौराहा कटरा बाजार होते हुए पुनः विद्यालय पहुंचे। इस दौरान विद्यालय के बच्चों ने बाजार में महारानी के जीवन पर नाट्य नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए। विद्यालय की प्रधानाचार्या अमिता पटेल ने बच्चों को अपने प्राणों की आहुति देने वाली महारानी लक्ष्मी बाई के जीवन से परिचय कराया। विद्यालय के प्रबंधक पुरुषोत्तम पटेल ने इस अवसर पर कहा कि वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई हमारी पहचान है। महारानी समस्त नारी जगत ही नहीं पुरुषों को भी प्रेरणा देती हैं सदियों तक उनकी शौर्य गाथा हमें गौरवान्वित करती रहेगी।

एआरटीओ ने चेकिंग के दौरान पकड़ा ओवरलोड मोरम से भरा डंपर, किया सीज

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी/फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जनपद में एआरटीओ ने चेकिंग के दौरान मोरम भरे एक ओवरलोड डंपर को पकड़ लिया उन्होंने ओवरलोड डंपर को सीज कर दिया और कोतवाली बिंदकी पुलिस को सौंप दिया ओवरलोड वाहनो के खिलाफ चलाए जा रहा है अभियान के तहत मंगलवार की भोर पहर करीब 4:00 बजे बिंदकी कस्बे के निकट एआरटीओ ने मोरम भरे एक ओवरलोड डंपर को पकड़ लिया इस कार्रवाई से ओवरलोड ट्रक संचालकों व चालकों में हड़कंप गया एआरटीओ ने ओवरलोड डंपर को सीज कर कोतवाली बिंदकक पुलिस के सुपुर्द कर दिया पुलिस ने ट्रक को बिंदको कोतवाली के पास खड़ा कराया और कानूनी कार्रवाई शुरू की।

कस्बे में साहित्य चिन्तन संगोष्ठी का आयोजन

साहित्य को लेकर कवियों ने की विस्तृत चर्चा

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद के बिंदकी कस्बे में मंगलवार को कादम्बरी पुरस्कार प्राप्त साहित्यकार एवं शिक्षिका सीमा मिश्रा के द्वारा आयोजित साहित्य चिंतन संगोष्ठी का आयोजन बिन्दकी में किया गया। चिंतन संगोष्ठी में विषय - : 'समाज में साहित्यकारों की भूमिका' को प्रतिपादित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार संजय द्विवेदी (अखिल भारतीय साहित्य परिषद के कोंकण प्रांत महामंत्री) को सादर सौंपी गई। कार्यक्रम का संचालन सीमा मिश्रा एवं गौरव सिंह 'अबोध' ने किया। कार्यक्रम में साहित्यकार एवं वकील अरुण द्विवेदी, साहित्यकार एवं भारतवर्ष युवा संकाय के अध्यक्ष गौरव सिंह 'अबोध' , वरिष्ठ चिंतक राकेश सोनी , साहित्यकार राजकुमार गुप्त 'नलिन , साहित्यकार महेशचन्द्र त्रिपाठी , वरिष्ठ चिंतक सूरजबली विश्वकर्मा ने विषय पर कल्याणकारी चिंतन प्रस्तुत किया। सर्वप्रथम संजय द्विवेदी ने साहित्य की व्यापकता एवं राष्ट्रीयता के प्रति साहित्यकारों के उत्तरदायित्व पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात अरुण द्विवेदी ने साहित्य की विविधता एवं साहित्यकारों की विविधता पर प्रकाश डाला। अगले क्रम में सूरजबली विश्वकर्मा ने साहित्य संवर्धन हेतु समर्पण की गहन भावना के उत्थान पर जोर दिया। तत्पश्चात राकेश सोनी ने साहित्य की गूढ़ तात्विक व्याख्या प्रस्तुत की तथा प्रख्यात दार्शनिक तोकोयामा जी के साथ हुई प्रश्नोत्तरी का वर्णन किया। महेशचंद्र त्रिपाठी ने साहित्य के नाम पर हो रहे अनुचित मनोरंजनवादी कार्यक्रमों एवं अनुचित आदर्श चयन की वृत्ति पर चिंता अभिव्यक्त की। राजकुमार गुप्त 'नलिन' ने जीवन में रसों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। अंत में सभी को सुन रहे गौरव सिंह 'अबोध' ने संगोष्ठी में अभिव्यक्त की गईं सभी चिंताओं एवं समस्याओं को चिन्हित करते हुए उनके समाधान को प्रतिपादित किया।

तत्पश्चात कवियों द्वारा एक एक काव्य रचना प्रस्तुति प्रदान की गई। तदनन्तर सभी साहित्यकारों ने अपनी अपनी काव्य कृतियाँ परस्पर सस्नेह भेंटस्वरूप प्रदान कीं। कार्यक्रम के समापन में भाजपा मंडल महामंत्री ब्रजेश मिश्र ने सभी अतिथियों के प्रति हार्दिक आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रोत्साहन एवं अनुमोदन हेतु राजेश दीक्षित, राजकुमार सोनी, श्यामकेश शुक्ला, अमन द्विवेदी आदि व्यक्तित्व उपस्थित रहे।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

अनमोल होता है अपनों का साथ

हालिया वर्षों में जिस तरह करीबी रिश्तों में दूरियां आने लगी है, वह सही नहीं है। परिवार में एक-दूसरे के प्रति प्रेम होना बहुत जरूरी है। प्रयास यही होना चाहिए, परिजनों के बीच आत्मीय जुड़ाव हमेशा बना रहे। पारिवारिक प्रेम हमें जीने की ताकत देता है, जिंदगी को आसान और खुशहाल बनाता है।

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

परिवार की खुशहाली सबसे बड़ा सुख होती है। अपनों के चेहरों पर खिली खुशी की रौनक हर उम्र के लोगों के लिए बहुत ही सुकून भरा एहसास होता है। मिल-जुलकर सुख के लम्हे जीने की बात हो या दुःख-तकलीफ साझा करने का भाव, हर परिस्थिति में अपनों का साथ अनमोल होता है। इस अपनेपन से हर मुश्किल आसान हो जाती है, सुख की उजास कई गुना बढ़ जाती है। बावजूद इसके हालिया बरसों में करीबी रिश्तों में भी दूरियां आने लगी हैं। साझेपन की यह सोच सिमट रही है। ऐसे में आम-सी बातों का खयाल, इस खास जुड़ाव को मजबूत बनाए रख सकता है।

स्नेहपगी सोच

परिवार के सदस्यों में एक-दूसरे के प्रति प्रेम का भाव होना सबसे जरूरी है। कहते हैं कि अपनों के जुड़ाव और जज्बातों में कोई मिलावट नहीं होती है। होनी भी नहीं चाहिए, क्योंकि बहुत कुछ बदल जाने के बावजूद रिश्तों की यही कड़ी सबसे अहम है। आपसी प्रेम है तो एक-दूसरे की संभाल-देखभाल से लेकर मन को समझने तक, सब कुछ किया जा सकता है। परिवार के सदस्यों के बीच अंतरंगता बनी रहती है। असल में देखा जाए तो स्नेह की बुनियाद पर ही रिश्तों के सारे भाव-चाव टिके होते हैं। स्नेह के खाद-पानी से ना केवल आपसी तालमेल का भाव पोषण पाता है, बल्कि पारिवारिक अपनेपन की सोच को भी बल मिलता है। जिससे परिवार के हर सदस्य को सुरक्षा, अच्छी सेहत और आत्मविश्वास की सौगात मिलती है। अपने परिजनों से प्रेम करना और उनका प्यार पाना हर मोर्चे पर जीवन को खुशहाल बनाता है। अध्ययन बताते हैं कि अपनों का प्यार मस्तिष्क में उन रसायनों को बढ़ावा दे सकता है, जो इंसान को आशावादी और खुश महसूस कराते हैं। यह खुशी और उम्मीद भरी सोच, तन-मन की सेहत सहेजने वाली होती है।

कहने-सुनने का परिवेश

इंसानी मन की भावना से लेकर व्यावहारिक व्यवहार-बर्ताव तक, सब कुछ संवाद की धुरी पर टिका होता है। कहने-सुनने का परिवेश परिवार के सदस्यों के स्वस्थ संबंधों का आधार होता है। बच्चे हों या बड़े, खुलकर राय दे पाने का माहौल पारिवारिक खुशहाली के लिए आवश्यक है। कुछ भी दबा-छुपा रखने के हालात एक ही परिवार में कई खांचे बना देते हैं। साथ होकर भी सब बंटे-बंटे से रहने लगते हैं। इसीलिए घर के हर सदस्य के लिए शिकायत, सराहना या सलाह देने का खुलापन होना चाहिए। आज के दौर में यह सहजता और आवश्यक हो चली है। समझाइश हो या स्नेह, बिना कुछ बताए, जताए अपनों तक कैसे पहुंच सकता है। इसीलिए कभी प्यार भरी बातें कहकर तो कभी गले लगाकर एक-दूसरे को साथ का भरोसा दिलाना जरूरी है। बच्चों के लिए तकलीफ में बड़ों की एक थपकी और बड़ों के लिए बच्चों का हाथ थामकर आश्वस्ति देना, रिश्तों को मजबूत बनाता है। इतना ही नहीं, ऐसे खुशहाल परिवेश में बच्चे अपनी बड़ी पीढ़ी से बहुत से लाइफ स्किल्स सीखते हैं तो बड़े भी बच्चों के साथ जिंदगी के जीवंत भावों से जुड़े रहते हैं।

रहें सकारात्मक

हमारे पारिवारिक परिवेश में दिखता है कि निंदा या आलोचना केवल पराए ही नहीं, अपने भी करते हैं। नकारात्मक रहकर स्थिति को ना समझने की गलती अपने भी कर बैठते हैं। बहुत से घरों में रिश्तों के बिखराव की बड़ी वजह यही नकारात्मक बर्ताव भी है। इससे समस्याएं सुलझने के बजाय उलझती हैं, विवाद बढ़ते हैं, शिकायतें बढ़ती हैं। साथ बैठकर हंसने-खिलखिलाने का माहौल नहीं बनने की जगह दूरियां बढ़ने लगती हैं। मतभेद बढ़ाने वाली बातों से परवाह का भाव कम होता है। ऐसे में सही समय और परिस्थिति देखकर आपसी गलफहमियों को दूर करना चाहिए। जरूरी हो तो स्पष्ट शब्दों में सवाल पूछकर अपनी शंका दूर करने का प्रयास होना चाहिए। हर औपचारिकता से परे परिवार के सदस्यों को एक-दूजे पर इतना अधिकार तो होता ही है। ऐसे हक दबदबा बनाने से नहीं बल्कि दिल खोलकर अपनी बात कहने से बनते हैं, जो कहीं ना कहीं परिवार की खुशहाली को बनाए रखते हैं।

यों जुडे रहें एकसाथ

परिवार के सदस्यों का एकसाथ बैठकर बात करना नहीं हो पाता, लेकिन समय-समय पर एक साथ जरूर होना चाहिए। त्योहार इसके लिए सबसे अच्छा अवसर है। परंपरागत उत्सव साथ मनाएं। छुट्टियों की प्लानिंग सभी का शेड्यूल देखते हुए करें ताकि साथ समय बिताया जा सके। साल में किसी खास अवसर पर मिलने का नियम बनाएं। एक ही शहर में हैं तो नियमित मिलते-जुलते रहें। किसी भी संकट या समस्या को लेकर दूर रह रहे अपनों से चर्चा जरूर करें। छोटे सदस्य हक से सलाह मांगें और बड़े अधिकारपूर्वक समझाइश दें ताकि जीवन की जरूरतें जुटाने के लिए दूर जा बसने के हालात दिलों में दूरियां ना ला पाएं।

आभासी सेतु के माध्यम से बनाए रखें जुड़ाव

बहुत से परिवारों में काम-काजी जरूरतों और दूसरे कई व्यावहारिक कारणों से घर के सभी सदस्यों का साथ रहना नहीं हो पाता। लेकिन सुखद यह है कि तकनीक के साथ ने जुड़े रहना आसान किया है। यह आभासी सेतु भी संबंधों के जुड़ाव को कायम रखने में मददगार है। इन माध्यमों के जरिए परिवारजन एक दूसरे के संपर्क में रहें, आत्मीयता बनाए रखें।

बचपन में ही सिखाएं शिष्टाचार के गुण

बच्चे अपने माता-पिता से ही आचार-व्यवहार सीखते हैं। इसलिए अभिभावक बचपन में ही उन्हें सही आचरण करना सिखाएं। वे नैतिकता का पाठ तो सीखें ही, साथ ही सबके साथ शिष्टतापूर्ण व्यवहार करें, लोगों की भावनाएं समझें और संवेदनशील भी बनें।

बच्चे और आप

शीला श्रीवास्तव

बच्चा खाना-पीना, बोलना-चलना, सब कुछ अपने माता-पिता से ही सीखता है। बच्चे अपने परिवार में ही सद-व्यवहार, शिष्टाचार के गुण भी सीखते हैं। ये वो गुण हैं, जो बच्चे के व्यक्तित्व को बेहतर आकार देते हैं, समाज में उन्हें प्रभावशाली बनाते हैं। इसलिए जब आपका बच्चा थोड़ा बड़ा हो, बोलने-समझने लगे तो उसको हर वो सद्गुण सिखाएं, जो उसके व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाएं।

सच बोलना सिखाएं: सच या झूठ बोलना बच्चे अपने आस-पास के वातावरण और बड़ों से ही सीखते हैं। बच्चों को सच बोलना सिखाने के लिए आपको भी हर स्थिति में सच बोलना चाहिए। कुछ छोटे-मोटे झूठ हैं, जिन्हें आप नजरअंदाज करती हैं, उनसे बच्चे भी झूठ बोलना सीख जाते हैं। इसलिए झूठ बोलने से बचें। बच्चों को सच बोलने का महत्व समझाएं। जीवन की वास्तविक घटनाएं तो बच्चे समझ नहीं सकते, इसलिए कहानियों के जरिए सच बोलने के महत्व को बताएं। अगर बच्चे कभी गलती करते हैं या अपनी गलती आपको बताते हैं, तो इस पर उन्हें डांटे नहीं। आप डांटेंगी तो वे इससे बचने के लिए झूठ बोलना शुरू कर देंगे। बच्चों को प्यार से समझाएं कि वह यह गलती दोबारा ना करे।

सिखाएं भावनाओं की कद्र करना: दूसरों की भावनाओं की कद्र करना बचपन में ही सिखाना चाहिए। अगर माता-पिता में से कोई दुखी है तो बच्चे को इसका एहसास होना जरूरी है। कई बार जब अभिभावक बच्चों की मांग पूरी नहीं कर पाते, इसका कारण भी बच्चों को बताते हैं, फिर भी वे अपनी जिद पर अड़े रहते हैं। माता-पिता की भावनाओं की कद्र नहीं करते। आपकी और दूसरों की तकलीफ बच्चे समझ सकें, इसके लिए उन्हें तैयार करें।

माफ करना-माफी मांगना सिखाएं: अगर आपका बच्चा अपने भाई या बहन से झगड़ा करके और नाराज होकर एक तरफ बैठ जाए, तो उसे माफ करना और माफी मांगना भी सिखाएं। कुछ बच्चे सॉरी कहना नहीं जानते। बड़े होकर यही मुश्किल बन जाती है, क्योंकि ना वे माफी मांग पाते हैं और ना माफ कर पाते हैं। इसलिए उसे माफी मांगना सिखाएं। अगर आप कुछ गलत करते हैं तो बच्चे से माफी मांगे ताकि वह आपको देखकर सीखे। वहीं दूसरों को माफ करके आगे बढ़ने की शिक्षा दें।

बच्चों को संवेदनशील बनाएं: बच्चों को संवेदनशीलता के गुण सिखाएं। पौधे लगाना, उसकी देखभाल करना। रोज पानी डालना। साफ-सफाई रखना। मूक-प्राणियों के प्रति भी संवेदनशील बनाएं। चिड़ियों को दाना डालना भी सिखाएं। कहते हैं कि कोई व्यक्ति मूक प्राणी के साथ कैसे व्यवहार करता है, उससे समझ में आ जाता है कि वो इंसान कैसा है।

मानव सेवा और आध्यात्मिकता से जोड़ें: बच्चों को मानव सेवा और आध्यात्मिकता से भी जोड़ना चाहिए। मानव सेवा से बढ़कर कोई पूजा नहीं। बच्चों के मन में कभी किसी के प्रति द्वेष भावना ना भरें। बच्चों को नैतिकता की शिक्षा भी दें। नैतिक मूल्यों को समझाने हेतु बच्चों को पौराणिक कथाएं सुना सकती हैं, क्योंकि कहानियों का असर बच्चों पर ताउम्र रहता है।

चुनौती लेना सिखाएं

बच्चे जिन कामों को करने से डरते हैं, उन्हें उस काम को करने के लिए प्रेरित करें, प्रोत्साहित करें। इससे उनका डर खत्म हो जाएगा। उन्हें हर चुनौती का सामना करना सिखाएं। अगर बच्चा किसी काम को करने में डरता है, तो उसका डर दूर भगाएं, काम करने को कहें। अभ्यास करवाएं। अगर उससे कोई काम नहीं बन रहा है, वह उदास-परेशान हो रहा है तो उसे वह काम खुद पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करें। हारने का डर मन से निकालने को कहें। हार तो केवल एक नतीजा है, उससे प्रयास करना नहीं छोड़ना है, यह सिखाएं। बच्चों को अभी से चुनौतियों का सामना करना सिखाएंगे, तभी वे आगे बढ़ पाएंगे।

क्या बदलते मौसम में आप हो जाती हैं बीमार

हेल्थ केयर

निकिता चौहान

इन दिनों मौसम में बदलाव हो रहा है। ऐसे बदलाव से कुछ महिलाएं खुद को एडजस्ट नहीं कर पाती हैं। इस कारण उन्हें कई तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जैसे, खांसी-जुकाम होना, सुबह-शाम हल्का फीवर होना। इसके अलावा कुछ लोग मौसम के बदलने पर टेंपरेरी डिप्रेशन के शिकार भी हो जाते हैं। इन सभी प्रॉब्लम्स को सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर कहा जाता है। आपको बता दे पुरुषों से ज्यादा महिलाएं इस समस्या का सामना करती हैं।

सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर के कारण: एक्सपर्ट्स के अनुसार, महिलाओं में सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर हार्मोनल चेंजेस के कारण होता है। दरअसल, उम्र के साथ हर महिला में हार्मोनल चेंजेस होते रहते हैं। इसके अलावा सर्दियों में सूरज की रोशनी कम होने से मस्तिष्क में सेरोटोनिन नामक हार्मोन कम मात्रा में बन पाता है। इस वजह से भी कई महिलाओं में थकान, डिप्रेशन और वजन बढ़ने के लक्षणों के साथ एंजायटी भी हो जाती है।

प्रमुख लक्षण: सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर कई प्रकार के लक्षणों से पहचाना जा सकता है। सर्दी के शुरू होते ही लो या बिना वजह डिप्रेशन फील होना। नींद ना आना, एनर्जी की कमी महसूस करना, किसी काम में फोकस करने में परेशानी होना, बेवजह मन उचटा सा लगना, सुसाइडल थॉट आना, अकेले रहना, पूरा दिन थकान महसूस होना, सामान्य से ज्यादा भूख लगना, फिजिकल एक्टिविटी में कमी आना, वजन का बढ़ना सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर की वजह से हो सकते हैं। इसके अलावा सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर के कारण 18 से 30 वर्ष की उम्र के बीच की महिलाओं में पीरियड्स से जुड़े हार्मोंस में बदलाव आना और प्रेग्नेंसी के दौरान या उसके के बाद कई तरह के हार्मोनल बदलाव आ सकते हैं। साथ ही इससे हार्मोन इमबैलेंस, नींद ना आना और मूड स्विंग जैसी समस्याएं आ सकती हैं।

ट्रीटमेंट का तरीका: सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर का इलाज आपके लक्षणों पर डिपेंड करता है। इसका इलाज दवाओं और बिहेवियरल थेरेपी से भी किया जा सकता है। इसके इलाज में डॉक्टर आपके साथ कॉग्नेटिव बिहेवियर थेरेपी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस थेरेपी में डॉक्टर नेगेटिव सोच को खत्म करके आपमें पॉजिटिव सोच बढ़ाने का प्रयास करते हैं। अच्छी डाइट, हेल्दी लाइफस्टाइल, रेग्युलर एक्सरसाइज और धूप लेने से लाभ होता है। इसके साथ अपनी रेग्युलर डाइट में पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी लेने की सलाह भी डॉक्टर देते हैं।

(सीनियर कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. रितु सेठी से बातचीत पर आधारित)

सॉफ्ट लिप्स के लिए होममेड लिप बाम

जाड़े के मौसम में ड्राय और क्रैक्ड लिप्स की समस्या से कई लोग परेशान रहते हैं। अगर आप भी इस सीजन में अपने लिप्स को सॉफ्ट और पिंक बनाए रखना चाहती हैं तो होममेड लिप बाम यूज कर सकती हैं। इन्हें आप आसानी से घर में बना सकती हैं।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

हालांकि अभी कड़ाके की सर्दी शुरू नहीं हुई है लेकिन सुबह-शाम इसका एहसास होने लगा है। ऐसे में मौसम में बदलाव, वातावरण में नमी की कमी से होंठों के फटने की समस्या से कई लोग परेशान रहते हैं। आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने पर यह समस्या और बढ़ेगी। दरअसल, होंठों की स्किन बाकी शरीर की स्किन से ज्यादा पतली और सॉफ्ट होती है और इसीलिए इस पर मौसम का असर जल्दी पड़ता है। इसीलिए इस मौसम में होंठों के कटने, फटने, शुष्क होने और खुरदुरे दिखने की दिक्कत बढ़ जाती है, इसलिए होंठों को सॉफ्ट बनाए रखने और सूखने से बचाने के लिए उनकी अच्छे से केयर करना बहुत जरूरी है। होंठों को गुलाबी और मुलायम रखने के लिए एक अच्छे लिप बाम का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। बाजार में मिलने वाले अधिकांश लिप बाम को बनाने में कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है, जो होंठों को ठीक करने के बजाय नुकसान पहुंचा सकते हैं। इनके यूज से कई बार होंठ काले भी पड़ने लगते हैं। ऐसे में अगर आप घर पर ही लिप बाम तैयार करें तो कहीं बेहतर परिणाम मिलेंगे।

ऐसे बनाएं घर पर लिप बाम

रोज-एलोवेरा जैल: इसे बनाने के लिए जरूरी सामग्री हैं 8 से 10 गुलाब की पंखुड़ियां, दो पीस विटामिन ई कैप्सूल, एक चम्मच कच्चा दूध और दो चम्मच एलोवेरा जैल। सबसे पहले गुलाब की पंखुड़ियों को धोकर मिक्सर ग्राइंडर में पीस लें। पंखुड़ियों के पेस्ट को कांच की कटोरी में निकालकर उसमें थोड़ा सा कच्चा दूध, विटामिन ई कैप्सूल का जेल और एलोवेरा जैल को मिला दें। इन सभी चीजों का मिश्रण अच्छे से स्मूद बनाकर पेस्ट को एयरटाइट कंटेनर में बंद करके फ्रीज में स्टोर करें। अगले दिन से आप लिप बाम का इस्तेमाल कर सकती हैं।

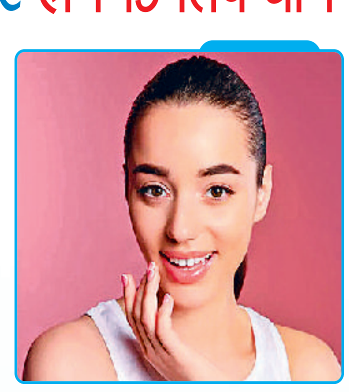

हनी-रोज लिप बाम: यह बाम बनाने के लिए गुलाब की पंखुड़ियां, 1 चमच्च शहद, 1 चम्मच पेट्रोलियम जैली और 1 चम्मच नारियल तेल की जरूरत होगी। गुलाब की पंखुड़ियों को धोने के बाद एक बर्तन में डाल कर एक कप पानी में अच्छी तरह पका लें। इसे छानकर एक कटोरी में निकल लें। अब गुलाब वाले पानी में शहद, पेट्रोलियम जैली और नारियल तेल मिला लें। जब यह स्मूद हो जाए तो इसे एक कंटेनर में डाल कर फ्रिज में रख लें। इसे आप 5-7 घंटे बाद ही इस्तेमाल कर सकती हैं।

बटर-रोज वाटर लिप बाम: इसे बनाने के लिए आपको चाहिए 1 चम्मच शिया बटर, 1 चम्मच कोकोआ बटर, 1 चम्मच नारियल तेल, आधा चम्मच शहद, कुछ बुंदें विटामिन ई तेल और गुलाब जल। छोटे कांच के कटोरे में शिया बटर, कोकोआ बटर और नारियल तेल को डालकर मिलाएं। अब इनको एक छोटे मेटलिक बर्तन में डालकर धीमी आंच पर पिघलने के लिए रखें। जब सारी सामग्री पिघल जाए तो मिश्रण को थोड़ी देर के लिए ठंडा होने दें, फिर इसमें शहद और विटामिन ई तेल डालकर अच्छे से मिला लें। आपका लिप बाम तैयार है। इसे किसी एयर टाइट कंटेनर में डाल कर फ्रिज में रख दें, कुछ समय बाद इस्तेमाल कर सकती हैं।

घी-शहद लिप बाम: लिप्स को सॉफ्ट बनाए रखने में घी और शहद का लिप बाम भी बहुत कारगर है। इसे बनाने के लिए एक बर्तन में तीन चम्मच देसी घी डालकर गैस पर धीमी आंच पर रख दें और जब घी पूरी तरह से पिघल जाए तो इसमें एक चम्मच शहद और डेढ़ चम्मच नारियल तेल मिला दें। जब यह पूरा पिघल जाए तो इस मिश्रण को एक जार में डाल कर ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद इसे एक कंटेनर में डाल कर फ्रिज में रख लें। दूसरे दिन से इसका यूज करें।

गप्पबाजी कीजिए रहिए तरोताजा

अगर आपसे कहा जाए कि गप्पबाजी से आप स्फूर्तिवान बनती हैं, आपकी कार्यकुशलता बढ़ती है, आप रचनात्मक होती हैं, तो आप शायद ये बातें नहीं मानेंगी, लेकिन शोध इस बात की पुष्टि करते हैं। इसके पीछे क्या वजहें हैं, गप्पबाजी कैसे हमारे लिए फायदेमंद साबित होती है, आप जरूर जानना चाहेंगी।

एडवाइस

मधु सिंह

यह अब किसी का माना हुआ ही नहीं बल्कि शोध की कसौटी में परखा हुआ सत्य है कि बेमतलब की यानी अनौपचारिक बातचीत करने से, जिसे हम गप्पबाजी भी कहते हैं, ना सिर्फ हम इससे तनावमुक्त होकर तरोताजा महसूस करते हैं बल्कि हममें खूब नए-नए विचार और कल्पनाएं भी आती हैं। इसलिए मनोवैज्ञानिक भी अब इस बात की तस्दीक करते हैं कि अगर अपने व्यक्तित्व को रचनात्मक बनाना है, तो हर महिला को थोड़ी गप्पबाजी भी करनी चाहिए। हम हर समय काम की बातें ही ना करें, बीच-बीच में बिना किसी काम की यानी बेमतलब की बातें भी करें। इससे हम रिलैक्स फील करेंगे, यह रिलैक्सेशन हमारे चेहरों को अतिरिक्त रूप से ग्लो देता है। इससे हमारी मांसपेशियां तरोताजा होती हैं, जिसका असर हमारे लुक में साफ दिखता है। जब हम ताजगी से भरे होते हैं, तो हमारी उम्र काफी कम लगती है। इस सबसे हमारी खूबसूरती और पर्सनालिटी खूब निखरती है। लेकिन आम जनजीवन में यही माना जाता है कि गप्पबाजी करना, खाली बैठे लोगों का काम है। वैसे यह भी सही है कि अगर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में गप्पबाजी की तादाद काफी ज्यादा है, तो इससे हमें कई बार फायदे की जगह नुकसान होने लगते हैं। लेकिन दाल में नमक के बराबर यदि हमारी जीवनशैली का हिस्सा गप्पबाजी भी बनती है तो यह हमारे व्यक्तित्व में चार चांद लगा देती है। आइए जानते हैं, गप्पबाजी का हमारी समूची पर्सनालिटी में कैसे-कैसे असर पड़ता है।

निखरती है कार्यकुशलता: अगर हमारी जीवनशैली में गप्पबाजी का संतुलित हिस्सा मौजूद है तो इससे हमारी कार्यकुशलता निखरती है। हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें एक कुशलता नजर आती है, क्योंकि तब हम कोई काम मन से तरोताजा होकर कर रहे होते हैं। यही वजह है कि गप्प मारना ना सिर्फ हमारी सेहत के लिए अच्छा है, यह हमारी कार्यकुशलता भी बढ़ाती-निखारती है।

शरीर में आती है स्फूर्ति: पूरे दिन में कम से कम एक दो बार दस-दस मिनट की अगर हम गप्पबाजी कर लेते हैं तो दिनभर का मानसिक तनाव दूर हो जाता है। इससे मानसिक थकान भी मिट जाती है। नतीजतन हम अपने आपको तरोताजा महसूस करते हैं। इससे हमें शरीर में एक खास तरह की स्फूर्ति महसूस होती है, मूड फ्रेश रहता है। इस तरह देखें तो गप्पबाजी हमारे लिए मूड रिफ्रेशर का भी काम करती है। चूंकि गप्प मारने में हमें खूब मजा आता है। इसके चलते हमारे इर्द-गिर्द का माहौल हल्का-फुल्का हो जाता है। इसलिए हम गप्प मारकर पूरी तरह से तनावमुक्त रहते हैं। आमतौर पर महिलाएं पुरुषों के मुकाबले 20 से 25 फीसदी कम तनाव का शिकार होती हैं। मानसिक परेशानियां भी उनमें पुरुषों के मुकाबले काफी कम पाई जाती हैं। इसकी वजह यही है कि महिलाएं दिन में कभी भी मौका मिलते ही गप्पबाजी से नहीं चूकती हैं।

बढ़ती है हाजिरजवाबी: अगर हमारे व्यक्तित्व में संतुलित मात्रा में गप्पबाजी मौजूद है, तो हम उन लोगों के मुकाबले कहीं ज्यादा हाजिरजवाब होते हैं, जो गप्पें नहीं मारते। गप्पें मारने से हमारी कार्यक्षमता तो बढ़ती ही है, हममें हाजिरजवाबी की भरपूर कुशलता भी आ जाती है। बेहद गंभीर लड़कियां कितनी ही खूबसूरत हों, लेकिन चुलबुली लड़कियां उनके मुकाबले बाजी मार लेती हैं, क्योंकि चुलबुलापन का एक हिस्सा गप्पबाजी से ही बनता है। कुल मिलाकर गप्पबाजी करने से हम तरोताजा महसूस करते हैं।

क्रिएटिव फील्ड की जान है गप्पबाजी

अगर आप लेखिका हैं, पत्रकार हैं और आपके स्वभाव में गप्पबाजी भी शामिल है, तो समझ लीजिए आप सोने में सुहागा हैं। क्योंकि संतुलित गप्पबाजी ना सिर्फ अच्छा लेखक और पत्रकार बनाती है बल्कि इससे सोचने-समझने की क्षमताओं में भी विस्तार होता है। अगर आप किसी ऐसे क्षेत्र में कार्यरत हैं, जो पब्लिक डीलिंग का क्षेत्र है, तब तो समझ लीजिए कि यह गप्पबाजी आपको आपके काम में माहिर ही नहीं, ग्राहकों के बीच लोकप्रिय भी बनाती है। आपकी गप्पबाजी की आदत के चलते लोग आपकी इज्जत भी करते हैं और रेस्पॉन्स भी देते हैं।